आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

24 घंटे देखे यश भारत
डिजिटल न्यूज चैनल
DIGIANA NEWS 122
hathway 598
UCN NEWS HD 81

● वर्ष- 16 अंक 107- ● जबलपुर ● गुरुवार, 19 मई, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष-4 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

नवोदय स्कूल शहडोल के प्राचार्य ने की खुदकुशी

शहडोल, । जवाहर नवोदय विद्यालय मऊ जिला शहडोल के प्राचार्य डीपी सिंह की मौत हो गई है। उन्होंने बुधवार की शाम तकरीबन चार से पांच बजे के बीच अपने नवोदय स्कूल के प्राचार्य कक्ष में फांसी पर लटक कर आत्महत्या की है। आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही उनके स्वजन तत्काल उनके चेंबर में पहुंचे और उनको रस्सी से नीचे उतारा इसके बाद परिवार के लोग उन्हें तत्काल ब्यौहारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मृत घोषित करने के बाद भी उनकी पत्नी बेटे और उनके नवोदय स्कूल के साथी मेडिकल कॉलेज शहडोल लेकर गए, जहां मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने भी परीक्षण करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक नवोदय स्कूल के प्राचार्य डीपी सिंह ने बुधवार की शाम अपने ऑफिस में आत्महत्या की है। जानकारी के मुताबिक प्राचार्य डीपी सिंह के परिवार में उनकी पत्नी और उनके दो बेटे हैं। गुरुवार को सुबह शव का पंचनामा तैयार किया गया है और पोस्टमार्टम के बाद उनके शव को स्वजनों को सौंपा जाएगा। इस संबंध में ब्यौहारी के थाना प्रभारी सुदीप सोनी का कहना है कि नवोदय स्कूल के प्राचार्य डीपी सिंह ने बुधवार की शाम 5 बजे आत्महत्या की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उनको लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। इनका कहना है कि मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी से अभी डायरी उनके पास नहीं आई है। डायरी आने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

सिद्धू के खिलाफ आज आदेश देगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ दायर करीब तीन दशक पुराने रोड रेज के मामले में समीक्षा याचिका पर आदेश देगा। यह आदेश जस्टिस एएम खानविलकर और संजय किशन कौल की बेंच देगी। उल्लेखनीय है कांग्रेस नेता को गैर इरादतन हत्या के आरोपों से बरी कर दिया गया था, लेकिन उन्हें स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के अपराध का दोषी ठहराया गया था। पटियाला के सत्र न्यायालय के

जज ने 22 सितंबर, 1999 को सिद्धू और उनके सहयोगी को सुबूतों के अभाव और संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। बाद में यह मामला हाई कोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू के खिलाफ रोड रेज मामले में नोटिस का दायरा बढ़ाने की मांग वाली एक अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। वहीं पहले से चल रही समीक्षा याचिका में भी एक आवेदन दायर किया गया था।

खुलते ही औंधे मुंह गिरा शेयर बाजार

नई दिल्ली । गुरुवार को सेंसेक्स सूचकांक 900 अंक या 1.66 फीसदी टूटकर 53,308 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी सूचकांक ने 269 अंक या 1.66 फीसदी की गिरावट के साथ एक बार फिर 16000 के नीचे पहुंचकर 15,971 के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। फिलहाल,

सेंसेक्स 1027 अंक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को खुलते ही औंधे मुंह गिर गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सूचकांक 900 अंक या 1.66 फीसदी टूटकर 53,308 के स्तर पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी सूचकांक ने 269 अंक या 1.66 फीसदी की गिरावट के साथ एक बार फिर 16000 के नीचे पहुंचकर 15,971 के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। फिलहाल, सेंसेक्स 1027 अंक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

ज्ञानवापी विवाद : अब कल होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को ज्ञानवापी केस में सुनवाई हुई। 5 मिनट तक हिंदू और मुस्लिम पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा- बनारस कोर्ट अभी इस मामले पर कोई फैसला न दे। कल 4 बजे एक जज के फेयरवेल से पहले 3 बजे सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई करेगी। सुनवाई के

दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से कहा गया कि इस मामले में वाराणसी कोर्ट में रोज सुनवाई हो रही है और नए फैसले दिए जा रहे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सख्त निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार दोपहर 3 बजे फिर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच में 11.03 मिनट पर सुनवाई शुरू हुई। यह सुनवाई 11.08 मिनट तक चली। कोर्ट में हिंदू पक्ष ने कहा कि हमने अभी हलफनामा दाखिल नहीं किया है, इसलिए और वक्त दिया जाए, जिसके बाद कोर्ट की सुनवाई कल तक के लिए टल गई।

3 चरणों में कराए जाएंगे मप्र में पंचायत चुनाव

आरक्षण करने की तैयारी, आज होंगे आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकास से पहले त्रिस्तरीय पंचायत (ग्राम, जनपद और जिला) के चुनाव हो सकते हैं। ये तीन चरणों में कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने कलेक्टरों को चरणवार कार्यक्रम भेजकर उनकी सहमति मांगी है। साथ ही यह कहा कि दो विकासखंड में आने वाले जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन एक ही दिन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए यदि प्रस्तावित कार्यक्रम में कोई बदलाव करना है तो उसका प्रस्ताव 20 मई तक भेजा जाएगा। पंचायत चुनाव मतपत्र से कराए जाएंगे। अभी जनपद और जिला पंचायत के चुनाव इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, पंच और सरपंच का चुनाव मतपत्र से होता था। सरकार ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के लिए आरक्षण कराने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को इस संबंध में कलेक्टरों को आदेश जारी किए जाएंगे। एक सप्ताह में आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की जानी है। पंच, सरपंच, जिला और जनपद पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र और जनपद अध्यक्ष पद का आरक्षण जिला स्तर पर होगा। जिला पंचायत पद का अध्यक्ष शासन करेगा। उधर, राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची से लेकर अन्य तैयारियां कर ली हैं। कलेक्टरों को पहले ही मतदानकर्मी, मतदान सामग्री, मतदान केंद्र सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 2020 में परिसीमन और आरक्षण किया था। इसके अनुसार 16 नगर निगम में से अनुसूचित जाति के लिए मुरैना और उज्जैन, अनुसूचित जनजाति के लिए छिंदवाड़ा और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भोपाल, सतना, रतलाम और खंडवा प्रस्तावित थे। नौ नगर निगम में महापौर का पद अनारक्षित श्रेणी में रखा गया था। 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा के अनुसार एक पद पिछड़ा वर्ग के लिए और आरक्षित हो सकता है। इसी तरह 99 नगर पालिका में अनुसूचित जाति के लिए 15, अनुसूचित जनजाति के लिए छह और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 25 पद आरक्षित किए थे। इस प्रकार कुल 46 पद आरक्षित हुए थे। इसमें तीन पद और पिछडा वर्ग के लिए बढ़ाए जा सकते हैं। वहीं, 292 नगर परिषद में आरक्षण को लेकर भी है। वर्ष 2020 में जो आरक्षण किया गया था, उसमें अनुसूचित जाति के लिए 46, अनुसूचित जनजाति के लिए 27 और पिछड़ा वर्ग के लिए 73 सीट आरक्षित की गई थीं। 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा में इतनी सीटें ही आरक्षित की जा सकती हैं यानी इस श्रेणी में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आरक्षण की प्रक्रिया राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

इन निकायों में होना है आरक्षण

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मैहर, ईशागढ़, हरदा, पसान, अमरकंटक और मांडव निकाय का कार्यकाल वर्ष 2021 और वर्ष 2022 में पूरा हो चुका है। बरोदियाकलां, कर्रापुर, पुनासा, बरगवा, सरई, बरगवां और देवरी नए निकाय बने हैं। पन्न, गढ़ाकोटा, खुरई और मलाजखंड नगरीय निकाय में सीमावृद्धि और क्षेत्र में कमी की गई है। इन निकायों का आरक्षण किया जाना बाकी है।

महंगाई की मार

रसोई गैस की कीमत 3.50 रुपए बढ़ी, कमर्शियल सिलेंडर भी महंगा

नई दिल्ली। देश में महंगाई की मार थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को एलपीजी गैस के दामों में बढ़ोतरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 3.50 रुपए सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 8 रुपए का इजाफा किया गया है। इसी के साथ देश में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1005 रुपए के पास पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब देश में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से लोग पहले से ही परेशान हैं। गुरुवार 19 मई को रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में इस महीने दूसरी बार बढ़ोतरी की गई। 14.2 किलाग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 3.50 रुपये की वृद्धि की गई है जबकि 19 किलो ग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 8 रुपये महंगा किया गया है।

शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार दंपती की सड़क हादसे में मौत

सागर/देवरीकलां । बुधवार रात एक शादी समारोह से शामिल होकर बाइक से लौट रहे दंपती की गौरझामर थाना क्षेत्र के तहत नेशनल हाइवे 44 पर कटंगी मंदिर के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में दो बच्चे घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक गौरझामर निवासी 35 वर्षीय सीताराम पिता काशीराम मेहरा अपनी पत्नी 30 वर्षीय दीपिका मेहरा, भतीजी 15 वर्षीय काजल व एक वर्षीय बेटे योगेश को लेकर बाइक से देवरी क्षेत्र के एक गांव में विवाह कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वे शादी समारोह के बाद जब वापस लौट रहे थे, तभी कटंगी मंदिर के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सीताराम व उनकी पत्नी दीपिका की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनकी भतीजी काजल व एक वर्षीय बेटा योगेश गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल बच्चों को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हरियाणा में ट्रक ने 14 मजदूरों को कुचला

3 ने मौके पर ही तोड़ा दम ,11 गंभीर

सड़क किनारे अवरोधक लगाकर सो गए थे

बहादुरगढ़ । हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह एक ट्रक ने 14 मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक भी पलट गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, आसौदा टोल के आसपास सड़क रिपेयरिंग का काम चल रहा है। देर रात तक मरम्मत का कार्य करने के बाद थक कर सभी 14 मजदूर सड़क किनारे अवरोधक लगाकर सो गए। सुबह करीब साढ़े 5 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। उसके बाद ट्रक मौके पर ही पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में जान

गंवाने वाले तीनों लोगों के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया गया है। घायलों में से 10 को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई भेजा गया है, जबकि एक घायल का इलाज बहादुरगढ़ के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। फिलहाल, पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

बैरसिया में चौकी प्रभारी ले रहा था रिश्वत

लोकायुक्त ने 11 हजार रुपये के साथ रंगे हाथों पकड़ा

भोपाल। राजधानी भोपाल के बैरसिया थाना के ललरिया चौकी प्रभारी को लोकायुक्त पुलिस ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने एक व्यक्ति से 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। चौकी प्रभारी ने रिश्वत के पैसे सीधे न लेते हुए अपने एक परिचित को देने की बात कही थी, लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत के पैसे लेते हुए चौकी प्रभारी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। चौकी प्रभारी ने पीड़ति से 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी, वह पहली किश्त में 4 हजार रुपये ले चुका था दूसरी किश्त के रूप में 11 हजार रुपये ले रहा था।लोकायुक्त पुलिस के अनुसार ग्राम डंगरौली थाना बैरसिया निवासी दरबार सिंह ने लोकायुक्त भोपाल को शिकायत की थी कि उसके खिलाफ थाने में मारपीट का प्रकरण दर्ज था। इसी मामले में चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक मुकेश मीणा, आरक्षक दीपक सोनी, आरक्षक बुंदेल अहिरवार द्वारा जमानत एवं जिलाबदर न करने के बदले में 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। इस पर पीड़ति ने लोकायुक्त में शिकायत कर दी। एसपी लोकायुक्त मनु व्यास ने शिकायत का सत्यापन कराने के बाद टीम का गठन किया।

यासीन मलिक दोषी करार 25 मई को होगा सजा का ऐलान

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग केस में कश्मीरी आतंकी यासीन मलिक को NI कोर्ट ने दोषी करार दिया है और अब 25 मई को सजा का ऐलान किया जाएगा। गौरतलब है कि सुनावाई के दौरान NI कोर्ट के सामने यासीन मलिक कबूल चुका है कि उसने पाकिस्तान की मदद से कश्मीर में आतंकी हमले के लिए पैसे की व्यवस्था की थी। वहीं दूसरी ओर यासीन मलिक को सजा मिलने की खबर पर पाकिस्तान आग बबूला हो गया है और उसने भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को तलब कर आपत्ति जताई है। कश्मीर में आतंकवादियों को पैसा उपलब्ध कराने के मामले में आरोपी यासीन मलिक फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। मलिक को तिहाड़ की 1 नंबर जेल में बंद किया गया है। इसी जेल में कश्मीर पंडितों की हत्या करने वाला आतंकी बिट्टा कराटे भी बंद है लेकिन दोनों ने अभी तक एक-दूसरे का चेहरा नहीं देखा है। बिट्टा और यासीन को हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान यासीन मलिक को राजनीतिक कैदी बताता है। पाकिस्तान लगातार यासीन मलिक पर लगे आरोपों को वापस लेने की मांग करता रहा है।

4 आतंकी और लश्कर का 1 सहयोगी गिरफ्तार

नई दिल्ली। बारामूला पुलिस ने हाल ही में एक शराब की दुकान पर हुए आतंकी हमले के मामले का खुलासा किया है। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि इस मामले में 4 आतंकवादी और लश्कर का 1 सहयोगी गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 5 पिस्तौल, 23 ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए हैं। यह आतंकी मॉड्यूल बारामूला में कई आतंकी घटनाओं में शामिल था।

राज कुंद्रा की फिर बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल सामने आए कथित पोर्न रैकेट के सिलसिले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में राज कुंद्रा को 20 जुलाई को गिरफ्तार किया था। जुलाई में राज कुंद्रा की गिरफ्तारी से पहले मुंबई पुलिस ने इस मामले में फरवरी में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। मामले में शामिल आरोपी कथित तौर पर अश्लील फिल्में बना रहे थे और वेब सीरीज या बॉलीवुड फिल्मों में भूमिका का वादा कर लोगों को ठग रहे थे। महत्वाकांक्षी मॉडल और अभिनेताओं को फिल्मी भूमिकाएं देने का वादा किया गया था ।

वैराग्य की राह पर सर्राफा कारोबारी

11 करोड़ रुपये की संपत्ति दान दी 22 मई को सपरिवार लेंगे दीक्षा

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के सर्राफा कारोबारी अपनी करोड़ों की संपत्ति दान कर वैराग्य की राह में चल पड़े हैं। 22 मई को वह अपनी पत्नी और 11 साल के बेटे के साथ जयपुर में दीक्षा विधिवत दीक्षा लेंगे। परिवार ने गुरु महेंद्र सागर जी से प्रेरित होकर गृहस्थ जीवन को त्याग कर संयम और आध्यात्म के पथ पर जाने का फैसला लिया। राकेश सुराना ने दीक्षा लेने से पहले अपनी करीब 11 करोड़ रुपये की संपत्ति गरीबों और गौशाला में दान कर दी है। राकेश सुराना ने वैराग्य की राह पर चलने का निर्णय लेने पर बताया कि उनकी पत्नी लीना सुराना (36) ने बचपन में ही संयम पथ पर जाने की इच्छा जाहिर कर दी थी। लीना सुराना ने अमेरिका से प्रारंभिक शिक्षा ली है उसके बाद उन्होंने बेंगलुरु यूनिवर्सिटी से डिग्री ली है। लीना और राकेश के बेटे अमय का मन भी चार साल की उम्र से संयम पथ पर था, लेकिन कम उम्र के चलते वे दीक्षा नहीं ले सके, सात साल के लंबे इंतजार के बाद अब माता-पिता के साथ अमय 22 मई को दीक्षा लेंगे और सदा के लिए सांसारिक मोह माया का त्याग कर देंगे। राकेश सुराना की मां 2017 गृहस्थ जीवन त्यागकर दीक्षा ली थी। वहीं, उनकी बहन ने 2008 में दीक्षा ली थी। मां और बहन से प्रेरित होकर राकेश सुराना भी अब संयम पथ पर चलते हुए दीक्षा लेने जा रहे हैं ।बालाघाट जिले में कभी राकेश सुराना की एक छोटी सी सोने-चांदी की दुकान हुआ करती थी।

मुख्यमंत्री शिवराज ने सुबह 6:30 बजे ली अधिकारियों की क्लास

समाज तोड़ने वालों की लिस्ट बनाओ , लव जिहाद रोको

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार सुबह 6:30 बजे अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सीएम ने सिवनी और नीमच के कलेक्टर और एसपी से चर्चा की और पेयजल, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत जनकल्याण की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ला एंड आर्ड पर भी दोनों जिलों के अधिकारियो को निर्देश दिए। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सिवनी जिले के अधिकारियों से पूछा कि जिले में पेयजल की व्यवस्था कैसी है? कहीं ठेकेदार गड़बड़ी तो नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की क्या स्थिति है? ध्यान रखें कोई हितग्राही छूटे नहीं। उन्होंने सीइओ जिला पंचायत से पूछा कि आप फील्ड में जाते हैं, आपने मकान देखें कैसे बन रहे हैं? आपके यहाँ नीचे लोग पैसे तो नहीं खा रहे हैं? मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कानून व्यवस्था और विकास के कामों एवं योजनाओं के लिए कई निर्देश दिए। साथ ही समाज तोड़ने वालों की लिस्ट बनाने और लव जिहाद

आवास प्लस में पैसा लेने की खबरें हैं, अधिकारी इसे रोकें

जैसे अपराध को रोकने की कार्रवाई करने को कहा।सीएम ने कहा कि कलेक्टर भी ध्यान रखें- आवास प्लस की चिट्ठी एक-एक व्यक्ति के घर जाना है। मुझे नाम जुड़वाने के नाम पर पैसे लेने की शिकायत मिली है, यदि कोई ऐसा कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्यवाई करो। आवास प्लस के नाम पर पैसे लेने की कोशिश की खबरें हैं, इसे सख्ती से रोकने का प्रयास करें। यदि यह शिकायत आई तो इसे मैं गंभीरता से लूंगा। गौकशी के मामले में किसी को छोड़ना नहीं है। कुछ माफिया भोले भाले लोगों को आगे कर देते हैं। ऐसे लोगों की पहचान करें। लव जिहाद नहीं चलेगा। जनजातीय समाज में विश्वास पैदा करना है। वो हमारे भाई हैं। अधिकारियों को निर्देश देते हुए सीएम शिवराज ने कहा कि आपके अमृत सरोवर आइडियल बनें, सिर्फ गड्ढा नहीं खोदना है। वह इतना सुंदर बने कि वहां झंडारोहण तक हो सके। सामूहिक कार्यक्रम भी करा सके। सिवनी जनपद में पदस्थ सीइओ की शिकायत है क्या? मुझे प्रमुख अधिकारियों की रिपोर्ट चाहिए सीएम शिवराज ने कहा कि आपके इलाके में कुछ पुलिस के अधिकारी कई सालों से पदस्थ हैं। कौन गड़बड़ियों में शामिल हैं, बताएं। अच्छा काम करने वालों की सूची भेजें। हमें अच्छे अधिकारियों को पुरस्कृत भी करना है। समाज को तोडने की गतिविधियों में लिप्त लोगों की सूची बनाएं।

निवेशकों के 13 करोड़ रुपये से ज्यादा डकार गए

सहारा प्रमुख सुब्रतो राय सहित 44 पर केस दर्ज

उज्जैन। सहारा समूह के प्रमुख सुब्रतो राय की मुश्किलें अभी और बढ़ सकती हैं। अब आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने पांच कंपनियों और सहारा समूह के प्रमुख सुब्रतो राय सहित कम्पनी से जुड़े 44 अन्य लोगों पर शिकंजा कसा है। सहारा समूह के प्रमुख सुब्रतो राय और इन कम्पनियों से जुड़े 44 अन्य लोगों के खिलाफ 13 करोड 59 लाख 89 हजार 580 रुपये की धोखाधड़ी के मामले में उज्जैन आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने केस दर्ज किया है। जिन कंपनियों पर आर्थिक अपराध शाखा ने शिकंजा कसा है उनमें- सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, स्टार मल्टीपर्पस कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारियन यूनिवर्सल मल्टीपर्पस सोसायटी लिमिटेड, सहारा क्यू शाप यूनिक प्रोडक्ट रेंज लिमिटेड और सहारा क्यू गोल्ड मार्ट लिमिटेड कंपनी शामिल हैं ।आरोप है कि समूह की पांच कंपनियों ने संभाग के उज्जैन, रतलाम, शाजापुर ,मंदसौर, आगर, मालवा, आलोट के करीब साढ़े तीन हजार निवेशकों के करीब तेरह करोड़ रुपये हड़प लिए।

नर्मदा के तट पर बसे जबलपुर में जल संकट पानी

खरीदकर बुझानी पड़ रही प्यास

जबलपुर। भीषण गर्मी के दौर में शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में पेयजल आपूर्ति ठप है। इस वजह से लोगों को बाजार से पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है।यहां नगर निगम के नलों की टोंटी से सूं-सूं की आवाज तो आती है, किंतु जल के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं।ऐसे में सवाल उठने लगा है कि जब ईमानदरी से जलकर चुकाते हैं, तो जलापूर्ति में ईमानदारी क्यों नहीं बरती जा रही।इस वजह से महंगाई के इस कालखंड में जीवन-यापन की दूसरी वस्तुओं की तरह पानी तक खरीदकर पीने की मजबूरी सामने हैं। मध्य प्रदेश की जीवन-रेखा नर्मदा के तट पर बसे जबलपुरवासियों को पेजयल के लिए दुकानों से पांच-पांच लीटर की बोतलें खरीदनी पड़ें, यह बेहद चिंताजनक हालत है। इससे भी बड़ा आश्चर्य तो यह कि यही पांच लीटर की बोतल कहीं से 50 रुपये में तो कहीं से 70 रुपये में क्रय करनी पड़ रही है। यह करदाता जनता के साथ जनसेवा में कमी के साथ-साथ कालाबाजारी की भी दोहरी मार है।

गर्मी की दस्तक के साथ ही त्राहि-त्राहि

शाहीनाका के समीप फूलसागर बस्ती के निवासियों ने अपनी व्यथा बयां करते हुए बताया कि पूर्व के वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष पेयजल की आपूर्ति अधिक बाधित हुई है।टिकरा मोहल्ला में निस्तार का पानी तक नसीब नहीं हो रहा। इस वजह से लोग देवताल व तिलवाराघाट जाकर सुबह नहाने का रास्ता अपना रहे हैं।यहां पाइप लाइन ठीक होने के बाद पेयजल आपूर्ति की समस्या कुछ तो हल हुई, लेकिन पानी ठीक से आने का समय रात्रि तीन बजे जैसा कठिन हो गया। ऐसे में नींद तक पूरी नहीं हो पाती। लोग सुबह से पाने का पानी जुटाने में लग जाते हैं।इस तरह गर्मी की दस्तक के साथ मची त्राहि-त्राहि थमने का नाम नहीं ले रही है।

टूटी-फूटी पाइप लाइन से लीकेज के कारण नहीं आ रहा फोर्स

क्षेत्रवासियों ने बताया कि सड़क किनारे टूटी-फूटी पाइप लाइन की लीकेज के कारण पानी ऊपर की तरफ ठीक से प्रवाहित नहीं हो पाता। इसके अलावा टुल्लू पम्प लगाकर पानी खींचने वाले भी ऊपरी बस्ती के लोगों को पेयजल से वंचित करने का कारण बन रहे हैं।

विवेक तन्खा के प्रयासों को मिली सफलता

16 करोड़ के इलाज में मिली राहत

स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित बच्चों के इलाज में मिली छूट

जबलपुर। राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा द्वारा राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान गत 17 मार्च 2021 को उठाये गये प्रश्न के सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रविण पवार द्वारा उनके पत्र क्रमांक अ.शा.पत्र सं डब्लुयू-11037/76/2021 दिनांक 9/5/2022 को प्रेषित पत्र द्वारा सूचित किया गया है कि तत्संबंध में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित बच्चों के इलाज में लगने वाली महंगी दवाई हेतु योजना बनाई गयी है जिसके कारण इलाज में लगने वाली दवाओं में काफी छूट प्राप्त होगी साथ ही साथ सूचीबद्ध दुर्लभ रोग से पीड़ित रोगियों को 20 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है। दुर्लभ बीमारी के इलाज के लिए सरकार द्वारा उत्कृष्टता केंद्र बनाये गये हैं जिनमे रोगी संपर्क कर अपना मुल्यांकन और डिजिटल पोर्टल पर पंजीकरण करवा सकता है।

अप डाउन करने वालों को मेल, एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा की सुविधा शीघ्र मिलेगी

*जबलपुर यश भारत। जबलपुर मंडल से चलने वाली सभी गाड़ियों में अप डाउन करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा मंथली सीजन टिकट एमएसटी की सुविधा शीघ्र ही बहाल होने जा रही है. इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन ने बताया कि रेलवे मुख्यालय ने पत्र जारी करके सूचित किया है कि कोविड-19 के पूर्व जिन गाड़ियों में सामान्य श्रेणी के डिब्बों में एमएसटी तथा त्री मासिक सीजन टिकट क्यू. एस. टी. की सुविधा दी गई थी उन सभी मेल एक्सप्रेस गाड़ियों के सामान्य श्रेणी के कोचों में कोविड-19 के उपरांत आगामी 29 जून 2022 से यह सुविधा पुनः प्रारंभ कर दी जाएगी। श्री रंजन ने बताया कि पूर्व में सामान्य श्रेणी के कोच में सीट का आरक्षण का प्रावधान था जिसकी अवधि 29 जून को समाप्त होने जा रही है अतः मंडल में भी 29 जून के उपरांत अनारक्षित कोचों में एम.एस.टी. एवं क्यू. एस.टी. टिकट धारा यात्रा करने के पात्र होंगे। इस सुविधा के बहाल होने से रेलवे से अप डाउन करने वाले रेल यात्रियों को लाभ मिलेगा।

पिता के जीवित रहते फौती उठाकर कलयुगी पुत्र ने कृषि भूमि पर अपना नाम दर्ज करवा लिया

तहसीलदार मझौली के आदेश को एसडीएम ने किया निरस्त

जबलपुर, यश भारत । अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय सिहोरा में प्रस्तुत अपील के एक प्रकरण में पिता के जीवित रहते फौती उठाकर कृषि भूमि पर पुत्र का नाम दर्ज कर दिये जाने के तहसीलदार मझौली के आदेश को एसडीएम आशीष पांडे ने निरस्त कर दिया है। प्रकरण में फैसला देते हुए एसडीएम सिहोरा ने खसरा के कैफियत कालम नंबर बारह में वापस पिता का नाम दर्ज करने का आदेश पारित किया है।एसडीएम सिहोरा आशीष पांडे के मुताबिक न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहोरा में मझौली तहसील के ग्राम टिकुरी निवासी बाबूलाल काछी ने आवेदन प्रस्तुत कर उसकी 0.50 हेक्टेयर कृषि भूमि पर पुत्र का नाम दर्ज किये जाने पर आपत्ति दर्ज कराई थी। बाबूलाल काछी ने आवेदन में बताया कि खसरा नंबर 81/1 एवं 125/1 की इस भूमि पर वर्ष 2017-18 तक पांच साल खसरा में उसका नाम दर्ज था। उसने जब वर्ष 2018-19 में पांच साल खसरा की सत्यप्रति निकलवाई तब पता चला कि इस भूमि के खसरा में कैफियत कालम में फौती नामांतरण कर उसकी जगह पुत्र डोरीलाल का नाम दर्ज कर दिया गया है। बाबूलाल ने एसडीएम सिहोरा को वर्ष 2017-18 में 2021-22 का कम्प्यूटर खसरा न्यायालय तहसीलदार मझौली का फौती नामांतरण का आदेश एवं आधार कार्ड सहित आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम टिकुरी की इस भूमि से पुत्र का नाम अलग कर वापस उसका नाम दर्ज करने का आग्रह किया था।एसडीएम सिहोरा ने बताया कि अपील के इस प्रकरण में तहसीलदार मझौली से जांच प्रतिवेदन बुलाया गया। तहसीलदार मझौली ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि टिकुरी ग्राम के खसरा नंबर 81/1 एवं 125/1 की कुल 0.50 हेक्टेयर भूमि पर डोरीलाल पिता बाबूलाल काछी का नाम दर्ज है। तहसीलदार ने प्रतिवेदन में उल्लेख किया कि यह भूमि बाबूलाल काछी के हक की भूमि है तथा वह अभी जीवित है। एसडीएम सिहोरा श्री पांडे ने बताया कि तहसीलदार के जांच प्रतिवेदन के आधार पर अभिलेख में सुधार करने और खसरा के कैफियत कालम में वापस बाबूलाल काछी का नाम दर्ज करने के आदेश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि प्रकरण में इस भूमि पर पटवारी द्वारा फर्जी फौती नामांतरण का प्रकरण दर्ज कर डोरीलाल काछी का नाम दर्ज कर दिया गया था।

किसानों की आय दोगुनी करने सरकार प्रयासरत

किसान कल्याण योजना की दूसरी किस्त के हितग्राहियों को मिले 2-2 हजार

जबलपुर । जबलपुर में 1 लाख 50 हजार 486 किसानों को 2-2 हजार रुपये द्वितीय किस्त के मिले। वहीं आबादी भूमि के अधिकार अभिलेख वितरण के तहत 44 हजार 305 लोग लाभान्वित हुये। पूर्व मंत्री व विधायक अजय विश्नोई मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री किसान कल्याण व स्वामित्व योजना के कार्यक्रम मानस भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान रीवा में आयोजित मुख्यमंत्री किसान कल्याण व स्वामित्व योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस दौरान विधायक अजय विश्नोई ने कहा आज दो अभिनव योजनाओं के हितलाभ से रुबरू हो रहे हैं। किसानों को लाभ देने के लिये उनका सम्मान बढ़ाने के लिये किसान सम्मान निधि जैसे महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई। क्योंकि पहले किसानों की स्थिति उतनी अच्छी नहीं थी। किन्तु मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों की स्थिति में सुधार हुआ है। उन्हें सम्मान जनक स्थान मिला है। कृषि में विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिये साल में केन्द्र सरकार द्वारा 6 हजार व राज्य सरकार द्वारा 4 हजार रुपये की राशि दी जाती है। जिससे किसान के द्वारा समय पर खाद्य बीज व अन्य कृषि संबंधी कार्य किया जा सके। उन्होंने स्वामित्व योजना के बारे में कहा कि इस योजना से आम आदमी सशक्त हुआ है। मुख्यमंत्री किसान कल्याण व स्वामित्व योजना से किसान सुदृढ़ और मजबूत हुआ है। किसानों के हित के लिये शासन-प्रशासन लगातार कार्य कर रहे है। किसानों की आय दोगुना करने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों के लिये उनके उपज का सही दाम समय पर मिलें इसके लिये भी किसान कल्याण से संबंधित कई कार्य हो रहे हैं।

काम उपयंत्री का, वेतन समयपाल का

जबलपुर ।अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जबलपुर जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय ने बताया है कि उपयंत्रियों का कार्य करने वाले को समयपाल का वेतन दिया जा रहा है। जबकि कानूनन तौर पर जिस पद का कार्य करवाया जावे उसी पद का वेतन देना चाहिए।

एकांगी पद के कारण समयपाल का कभी भी प्रमोशन नहीं होना है,हिरन जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,आर ई एस, नगर निगम,विकास प्राधिकरण, शिक्षा और स्वास्थ विभागों में पदोन्नति तो नहीं कि जा रही लेकिन वरिष्ठ पदों का कार्य करवाया जा रहा है। मोर्चा के संरक्षक योगेंद्र दुबे ने कार्यभारित स्थापना को श्राप बताते हुए इस प्रथा को पूरी तरह से समाप्त करने पर जोर दिया है। श्री दुबे ने आगे बताया कार्यभारित स्थापना शब्द जुड़ा होने से इन पदों में पदिन्नति नही हो सकती है ।इस व्यवस्था में पदों का एकांगी होना उनके प्रमोसन के अधिकार का हनन है, एक समान लाभ देने के पश्चात अलग अलग नाम देने के प्रक्रिया कर्मचारियों में भेद पैदा करने वाला शब्द है। विभागों को भारत सरकार की अनेक योजनाओं के तहत बजट दिया जाता था योजनाओं में लगे सभी कर्मचारियों का वेतन इस बजट की राशि के हिस्से से किआ जाता था, कार्य में वेतन भारित होता था इस लिए इस कार्य में लगे कर्मी को कार्यभारित स्थापना का कर्मी कहा जाता है। आज यह व्यवस्था बंद हो चुकी है। सभी कर्मचारियों का वेतन सरकार दे रही है। फिर कार्यभारित शब्द खत्म होना उचित है। कार्यभारित स्थापना में समयपाल को कार्यभारित स्थापना के कर्मी को नियमित स्थापना के समान प्राय: सभी लाभ दिए जा रहे है लेकिन नियमित स्थापना कर्मी नहीं माना जा रहा है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संरक्षक योगेन्द्र दुबे, जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, मध्यप्रदेश समयपाल महा संघ के मुकेश मरकाम,प्रसांत सोधिया, नरेश शुक्ला, यू एस करोसिया, विश्वदीप पटेरिया, देव दोनेरिया, नरेश शुक्ला, संतोष मिश्रा, सिहोरा तहसील अध्यक्ष योगेन्द्र मिश्रा,संजय गुजराल, ने मध्यप्रदेश शासन के सभी विभागों से कार्यभारित स्थापना को समाप्त कर सभी को नियमित स्थापना कर्मी का नाम देने की माँग करते हुए समयपाल को कार्य के अनुसार उपयंत्री के पद का वेतनमान देने के साथ ही सभी पात्र कर्मचारियों को पूरे सेवा काल में दो पदिन्नति देने की मांग की है।

लेमा गार्डन के हितग्राहियों को एक और मौका

3 जून तक जमा करा सकेंगे एकमुश्त राशि, दूसरी बार बढ़ी तिथि

जबलपुर। लेमा गार्डन के चयनित हितग्राहियों को पक्के आवास पाने का एक और मौका नगर निगम प्रशासन के द्वारा दिया गया हैं। हितग्राहियों को एक मुश्त राशि 3 लाख 81 हजार 8 सौ 57 रुपये जमा कर आवास अपने अधिपत्य में लेने के लिए पूर्व में निर्धारित की गई तिथि को 15 दिन बढ़ाकर 3 जून तक मौका दिया जा रहा हैं। अपर आयुक्त महेश कोरी के मुताबिक शहर के पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास बनाकर देने की दिशा में नगर निगम जबलपुर अग्रसर है। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, व राजीव आवास योजना के अंतर्गत लगातार हितग्राहियों को लाभान्वित करने का कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है।

434 हितग्राहियों में 113 ने जमा कराई राशि

लेमा गार्डन के 434 हितग्राहियों में से अब तक 113 हितग्राहियों ने एक मुश्त राशि 4 करो ? 31 लाख 49 हजार 841 रुपये जमा कराई है। अन्य हितग्राहियों में भी एक मुश्त राशि जमा करने उत्साह दिखाई दिया है। हितग्राहियों के उत्साह को देखते हुए कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने एक मुश्त राशि जमा करने की समय सीमा 15 दिवस बढ़ाकर 3 जून की है।

श्रमिकों के भविष्य निधि लाभों हेतु जबलपुर कार्यालय सदैव तत्पर : क्षे.भ.नि. आयुक्त

ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ भविष्य निधि आयुक्त की विशेष बैठक

जबलपुर। निजी संस्थानों एवं करखानों में नियोजित कर्मचारियों को बेहतर एवं तत्पर सेवा प्रदान करने के साथ-साथ अधिक से अधिक संख्या में मजदूर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किये जाने के उद्देश्य से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा समय-समय पर नवीन पहल एवं योजनायें को लागू किया जाता रहा है। कार्यालय द्वारा सेमिनार/वेबिनार एवं बैठकों के माध्यम से संगठन द्वारा की जा रही नवीन पहलों एवं याजनाओं के बारे में कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं अन्य प्रतिनिधियों को अवगत कराया जाता रहा है। इसी तारतम्य में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-।, राकेष सहरावत की अध्यक्षता में ट्रेड यूनियनों एवं अन्य श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी। श्र सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 के अंतर्गत व्याप्त निजी संस्थानों एवं कारखानों में नियोजित कर्मचारियों को भविष्य निधि, पेंषन एवं बीमा के रूप में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये यह कार्यालय सदैव प्रयासरत रहता है। श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा बीडी श्रमिकों एवं निर्माण कार्य में कार्यरत कर्मचारियों के शोषण से संबंधित मुद्दे उठाये गये और इसकी रोक-थाम हेतु कड़े कदम उठाये जाने का अनुरोध किया गया। साथ ही उन्होंने बैठक आयोजित करने हेतु क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-।, श्री राकेष सहरावत को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं अनुरोध किया कि इस प्रकार की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएँ। श्री राकेष सहरावत द्वारा आष्वस्त किया गया कि श्रमिकों के हितों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जायेगी एवं भविष्य में ऐसी बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाती रहेगी। सामान्य चर्चा के दौरान श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा पुछे गये प्रष्नों का समाधान क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-।, श्री राकेष सहरावत द्वारा विस्तार से किया गया और अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की षिकायत एवं समस्या के समाधान के लिये वे सीधे उनसे सम्पर्क करें।

महाकौशल कॉलेज में शिविर से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से उद्यमी बनने मिलेगा सुनहरा मौका

जबलपुर। जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, जबलपुर एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में जबलपुर जिले के शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में स्वरोजगार मार्गदर्शन शिविर हिंदी विभाग में शुरू हुआ। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित महाविद्यालयों में मार्गदर्शन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। स्वयं का उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना के बारे में शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक विनीत रजक व विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन योजना संभाग समन्वयक अरुण शुक्ला के मुताबिक मार्गदर्शन शिविरों के आयोजन का पहला शिविर आज सिविल लाइन स्थित शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में लगाया गया। उक्त शिविर में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को 1 लाख रु. से लेकर 50 लाख रु. तक का लोन स्वरोजगार एवं व्यवसाय हेतु प्रदान किया जायेगा एवं योजना की जानकारी प्रदान की जायेगी।

रेंज ऑफिसर शहपुरा की सशक्त कार्यवाही

लाखों की सागौन जप्त

आरोपी ने घर में छिपाए थे 12 लट्ठे

जबलपुर। वन विभाग शहपुरा द्वारा विश्वसनीय सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर अवैध रूप से जंगल से काटकर लाई गई सागौन की लकड़ी को बरामद कर आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की हैं । फ़ॉरेस्ट रेंज ऑफिसर (रेंजर) शहपुरा जिला जबलपुर अपूर्व प्रखर शर्मा द्वारा अपनी इस रेंज में पदस्थापना के उपरान्त निरन्तर क्षेत्र का भ्रमण कर ठोस सूचना तंत्र (मुखबीर) तैयार किया जिसका समय-समय पर वन विभाग को लाभ प्राप्त हो रहा है ।

इसी तारतम्य में आज प्रात: सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पथरिया में अवैध रूप से जंगल से काटकर सागौन के लट्ठे लाये गये हैं सूचना की पुष्टी हेतु तत्काल रेंजर शर्मा द्वारा शहपुरा वन विभाग के स्टाफ़ राजेन्द्र ग़रेवाल , कमल सिंह वन परिषेत्र सहायक द्वय , उत्कर्ष मिश्रा वन रक्षक भैरोघाट को ज्ञात हुये स्थल पर भेजा व पुष्टि होने पर अविलम्ब स्वत: दल-बल सहित ग्राम में शेख़ इस्माइल आत्मज पीर मोहम्मद के निवास पहुँचकर विधी संगत कार्यवाही कर उपर्युक्त अभियुक्त को जो भागने का प्रयास कर रहा था उसे घेराबंदी कर अभिरक्षा में लिया गया व उसके आधिपत्य से अपने घर में व परिसर में खड़े वाहन टाटा योद्धा पिक अप में छिपाई गई सागौन की लकड़ी के 12 लट्ठे बरामद कर जप्त किये गये । आरोपी अभियुक्त ने वन विभाग की सक्रियता का ज्ञान होते ही अपनी उपस्तिथी छिपाने हेतु फ़रार होने का असफल प्रयास किया था । वन विभाग ने घटना स्थल की कार्यवाही उपरान्त अभियुक्त शेख़ इस्माइल के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम की धारा 26(1) , 26(2) मप्र वन अधि की धारा 41 (3), 20(1,2,3,4) ,22 मप्र व्यापार विनिमय अधि. की धारा 15(1), 16 के अन्तर्गत प्रकरण पंजीकृत कर लिया है । बरामद की गई सागौन लगभग 02 घन मीटर है व इसकी क़ीमत लगभग 02 लाख रूपये है । वन विभाग की इस कार्यवाही में रेंज के समस्त स्टाफ़ का का विशेष योगदान रहा । वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रेंजर शहपुरा अपूर्व प्रखर शर्मा व उनके स्टाफ़ की इस सक्रियता की प्रशंसा की है । प्रकरण के अनुसंधान में घर एवम् वाहन सम्बन्धी प्रपत्र व अन्य आरोपियों की सनलिपत्ता का पता लगाकर समुचित कार्यवाही उपरान्त समयावधि में अभियोजन हेतु कार्यवाही की जाएगी ।

संजीवनी नगर में चोरी के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप, अनेक लोगों को अभिरक्षा में लिया

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर पुलिस के लिए अब एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। मामला संजीवनी नगर थाने का है। जहां शातिर बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो गए है। जिसके बाद पुलिस के आला अधिकारी क्षेत्र के नामजद चोरों को तलाश करने में जुटे है। कुछ संदेहियों को हुलिया के आधार पर अभिरक्षा में लिया गया है।

जानकारी अनुसार संजीवनी नगर क्षेत्र के नब्बे क्वार्टर निवासी बीएचईएल से रिटायर अधिकारी सुनील वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 9 मई को सीओडी कॉलोनी में रहने वाली उनकी भाभी सुमित्रा वर्मा के घर में चोरी होने की सूचना उनकी ओर से दी गई। भाई के निधन के बाद से वे बेटे के पास दिल्ली में रह रही हैं। घर में ताला लगा रहता है। पड़ोसियों से घर में चोरी की सूचना उन्हें मिली थी।

घर के सारे कमरे खुले मिले

जानकारी अनुसार चोरी के बाद सुनील वर्मा फोन के बाद सीओडी स्थित घर पहुंचे। मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था। वह अंदर पहुंचे तो किचन का दरवाजा टूटा मिला। अंदर सारे कमरे खुले थे। अलमारियों में रखे सामान गायब थे। सुनील वर्मा के मुताबिक भाभी के दिल्ली से लौटने पर ही वह गायब सामानों की सूची अलग से दे पाएंगे। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था।

इन्होंने कहा-

मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज कर, दर्जनों आरोपियों से पूछताछ चल रही है। आरोपी जल्द ही दबोचे जांएगे।

आलोक शर्मा
सीएसपी

स्कूल के चपरासी के घर लाखों की चोरी

जबलपुर, यशभारत। संजीवनी नगर अंतर्गत धनवंतरी नगर में एक सरकारी स्कूल के चपरासी के घर शातिर चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और नगद 50 हजार पर हाथ साफ कर रफूचक्कर हो गए। जिस वक्त यह घटना हुई पीड़ित अपने परिवारजनों के साथ सागर एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदीप कोरी पिता मुन्ना लाल कोरी ब्यौहारबाग ने बताया कि वह सरकारी स्कूल में चपरासी के पद पर पदस्थ है। गत दिवस शादी में शामिल होने सागर गया था। वापस आकर देखा तो मेन गेट का ताला टूटा मिला और घर में रखे हुए कैश 50 हजार और कीमती जेवरात पार कर दिए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डॉन बनने की चाहत में पिस्टल लेकर घूम रहा था आरोपी

जबलपुर, यशभारत। लार्डगंज पुलिस ने शताब्दीपुरम में डॉन बनने की चाहत में पिस्टल लेकर घूम रहे आरोपी को दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने जा रहा है। जिससे पूछताछ जारी है। थाना प्रभारी प्रफुल्ल श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिली कि शताब्दीपुरम एफ5 ब्लाक के सामने एक युवक पिस्टल लिये खड़ा है सूचना पर दबिश देकर सूरज ठाकुर 25 वर्ष निवासी दक्षिण मिलौनीगंज छोटा फु हारा वर्तमान पता जेडीए ब्लाक एफ 5 को दबोचकर तलाशी लेने पर कमर में दाहिने तरफ एक पिस्टल खोसें मिला, जिसे जब्त करते हुये आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पड़ोसी चिढ़ाते हैं मैं अब जीना नहीं चाहता...

अधेड़ ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में चार आरोपियों के नाम आए सामने, पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। गोहलपुर थाना अंतर्गत सुभाष नगर में एक अधेड़ ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच के बाद पुलिस को शव के पास एक सुसाइड नोट मिला। जिमसें चार पड़ोसियों का जिक्र था। अधेड़ ने लिखा है कि पड़ोसी उसे हमेशा चिढ़ाते है। जिसके बाद अब वह जीना नहीं चाहता है। पुलिस ने चारों आरोपियों को दबोच लिया है। जिनसे पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सुभाष नगर निवासी मुरली खत्री 53 साल ने 24 अप्रैल 2022 को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मर्ग जांच के बाद एक सुसाइड नोट बरामद किया गया था। जिसमें मृतक ने लिखा था कि पड़ोस में ही रहने वाले सुनील सोनी, रोशनी सोनी सहित राजेश व पूजा पटैल उसे चिढ़ाते है और लानत देते थे। जिससे वह तंग आ चुका था। अब वह जीना नहीं चाहता। मरने के बाद उसे न्याय चाहिए। मामला उजागर होने के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को दबोच लिया है।

होटल में की ज्यादती, पुलिस ने आरोपी को दबोचा, पीड़िता को किया परिजनों के सुपुर्द, क्षेत्र में हड़कंप

किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म

जबलपुर, यशभारत। अधारताल के बड़ा मदार छल्ला में एक 16 साल की किशोरी के साथ बलात्कार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले तो किशोरी को अपने झूठे प्यार के जाल में फंसाया और फिर उसे बहला-फुसलाकर महाराजपुर ले गया जहां से एक होटल में ले जाकर उसके साथ ज्यादती कर दी। वहीं, परिजनों ने जब किशोरी को घर में नहीं पाया तो आसपास पूछताछ की। लेकिन जब कहीं पता नहीं चला तो थकहार कर थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अपहरण का मामला

दर्ज करते हुए प्रकरण को गंभीरता से लिया और आरोपी को महाराजपुर से दबोच लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में निवासरत 16 साल कि किशोरी मोहल्ले में ही रहने वाले 28 वर्षीय युवक ने अपहरण कर, अपने साथ महाराजपुर ले गया और वहां ले जाकर उसके साथ रेप किया। लेकिन पुलिस को भनक लगते ही आरोपी किशोरी को लेकर शहर से बाहर भागने की फिराक में था, तभी घेराबंदी कर पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया और किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पकड़े गए आरोपी से सख्ती के साथ पूछताछ जारी है।

आज भी 42 डिग्री के आस-पास ही रहेगा पारा

जबलपुर। आज सुबह से आसमान में छाए बादल छंट गए हैं फिर भी तापमान स्थिर है। आज भी पारा 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहने की संभावना है। पिछले दो दिनों से तापमान 42 डिग्री पर थमा हुआ है, जिससे सूरज की तपन और उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं न्यूनतम तापमान 30 से नीचे आकर 28.4 डिग्री पर आकर थम गया। गुरुवार को सुबह का तापमान 28.4 रहा। आद्रता सुबह 50 प्रतिशत रही।मौसम विज्ञानिकों की माने तो अभी दो से तीन दिन तक तापमान 40 से 42 डिग्री पर ही रहेगा। इसके बाद एक बाद फिर आसमान में बादलों की खेप आ सकती है। इसे प्री मानसून

से भी जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आ चुका है, जिससे प्री मानसून के आसार बनने लगे हैं। मौसम विज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ ईरान के ऊपर और पाकिस्तान के आसपास है। यहां मध्योपरी क्षोभमंडल की पछुवा पवनों के बीच एक ट्रफ के रूप मौजूद है। इधर उत्तर-दक्षिण ट्रफ इन दिनों मध्य प्रदेश से लेकर विदर्भ और कर्नाटक तक फैला हुआ है। वहीं दक्षिणी राजस्थान और तमिलनाडु के ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हैं। पूर्व-पश्चिम ट्रफ राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार से होते हुए असम तक फैला है। वहीं दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आ चुका है, जिससे प्री मानसून के आसार बनने लगे हैं। आने वाले दिनों में एक बार फिर आसमान पर बादलों की चादर छाएगी।

आम सूचना

इस नोटिस के जरिये आप श्री राजकुमार वाजपेयी पिता रेवाशंकर वाजपेयी निवासी संगम कालोनी एसबीआई चौक मकान नं 558 विजयनगर जबलपुर मप्र को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री सुरेश सैनी पिता श्री आर पी सैनी निवासी लक्ष्मीबाई चौपड़ा गोपालगंज सागर मप्र ने व्यवसासयिक कार्य हेतु आपको 3,50,000 रुपए उधार दिये थे, परंतु उक्त राशि लौटाने में आप आना करनी कर रहे हैं, नोटिस भेजने के बाद भी आप अपने निवास पर नहीं मिल रहे हैं, इस कारण आपको सूचित किया जाता है कि इस आम सूचना के उपरांत यदि आप राशि मेरे पक्षकार को अदा नहीं करते हैं तो मेरा पक्षकार आपके विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही करेगा।

आशीष कुमार रैकवार
एडवोकेट
जिला न्यायालय सागर (मप्र)
मो. 9826422730

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं INDRANEEL GUJRAL पिता महिंद्र सिंह गुजराल पता हाउस नंबर 1500 रतन कॉलोनी गोरखपुर जिला जबलपुर का निवासी हूँ मेरी दसवी की अंक सूची में मेरा नाम INDRANEEL SINGH GUJRAL दर्ज हैं जो कि गलत नाम है। मेरा समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम INDRANEEL GUJRAL दर्ज है जो कि सही और पूरा नाम हैं। अत: आज दिनांक से मुझे ऐसी नाम से जाना जावें एवं पढ़ा जावें।

सही नाम-INDRANEEL GUJRAL
गलत नाम-INDRANEEL SINGH GUJRAL

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं की मैं JOHN ARVIND SINGH पिता KILOFAS BASHAKU SINGH पता नई बस्ती रांझी शहीद भगत सिंह वार्ड जिला जबलपुर का निवासी हूँ ! मेरी 10 की अंक सूचि में मेरा नाम JOHN A SINGH और मेरे पिता का नाम K B SINGH दर्ज हैं जो की अधूरा अधूरा और गलत नाम हैं ! मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम JOHN ARVIND SINGH और मेरे पिता का नाम KILOFAS BASHAKU SINGH दर्ज हैं जो की सही और पूर्ण नाम हैं ! कृपया आज दिनांक से मुझे और मेरे पिता के नाम को ऐसी नाम से जाना जावें एवं पढ़ा जावें !

सही नाम - JOHN ARVIND SINGH
पिता का सही नाम -KILOFAS BASHAKU SINGH

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

72 ट्रेनों के जनरल कोच में रिजर्वेशन लेने की नहीं जरूरत

जबलपुर, ।रेलवे ने जनरल कोच में यात्रा करने वाले यात्री को राहत दी है। पश्चिम मध्य रेलवे की सीमा से चलने वाली ट्रेनों में जनरल टिकट की सुविधा शुरू कर दी गई है। अब पमरे की 72 ट्रेनों में जनरल टिकट लेकर जनरल कोच में यात्रा की जा सकती है ।रेलवे ने कोरोना काल के दौरान ट्रेनों से जनरल टिकट की सुविधा खत्म कर दी थी। इसके बाद जनरल कोच में सफर करने के लिए आरक्षित सीट करानी पड़ती, लेकिन अब इससे राहत दी गई है। 72 ट्रेनों में जबलपुर रेल मंडल की 31 ट्रेनें हैं। इनमें जनरल टिकट की सुविधा शुरू कर दी है। रेलवे के इस कदम से नियमित यात्रा करने वाले लोगों को राहत मिली है। हालांकि इससे ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। पमरे के जबलपुर के साथ भोपाल मंडलकी 24 और कोटा रेल मंडल में 17 ट्रेनों में जनरल टिकट की सुविधा शुरू कर दी गई है।

जबलपुर की ट्रेनों में जनरल टिकट

- 11265 जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस
- 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस
- 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस
- 11449 जबलपुर-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस
- 11464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया (इटारसी)
- 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया (कटनी मुड़वारा, बीना)
- 11705 जबलपुर-रीवा शटल एक्सप्रेस
- 11706 रीवा-जबलपुर शटल एक्सप्रेस
- 12121 जबलपुर-निजामुद्दीन एमपी संपर्क क्रांति
- 12160 जबलपुर-नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस
- 12189 जबलपुर-निजामुद्दीन महाकौशल एक्सप्रेस
- 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम सुपरफास्ट

दो पक्षों में झड़प , कुंडम बना छावनी

प्रकरण दर्ज कराने सैड़कों की संख्या में जुटे लोग, फोर्स तैनात

जबलपुर, यशभारत। कुंडम के तहसीली चौक में हुई दो पक्षों में खूनी झड़प के बाद माहौल गर्मा गया। जिसके चलते आज गुरुवार को अलसुबह एक समाज विशेष के लोगों ने पुलिस थाने का घेराव कर प्रकरण पंजीबद्ध करने की मांग की। पुलिस को मामले की भनक लगते ही कुंडम छावनी में तब्दील हो गया। यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। प्रदर्शन कर रहे लोगों के विरोध के बाद पुलिस ने दोनों ही पक्ष से काउंटर मामला दर्ज कर लिया है। इस दौरान लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एक पक्षीय कार्रवाई करने का आरोपी भी लगाया है। पुलिस ने मामले जांच में लेकर, पड़ताल में जुटी है। कुंडम थाना प्रभारी प्रताप सिंह मरकाम ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कुंडम तहसीली चौक में शिवा ठाकुर और राजा ठाकुर निवासी सदाफल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि कुंडम निवासी दो युवकों ने उनके साथ मारपीट कर दी। तो वहीं कुंडम निवासी साहू समाज के दो युवकों ने जमकर मारपीट कर आरोप लगाया है। मामलों में दोनों ही पक्ष के लोगों को चोटें है। पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज कर, प्रकरण जांच में लिया है।

स्टेशन में यात्रियों के सूखे कंठ तर कर रहा स्काउट दल

जबलपुर ,यशभारत। जबलपुर स्टेशन पर रेल यात्रियों को शुद्ध ठंडा पेय जल उपलब्ध कराने हेतु रेलवे की स्वयंसेवी संस्था भारत स्काउट गाइड भी अपने सदस्यों के साथ स्टेशन पर सक्रिय है।डी.आर.एम. संजय विश्वास,अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव (वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी), मुख्यालय से सुवीर श्रीवास्तव (उपमुख्य वाणिज्य प्रबंधक) यात्री सेवा के कुशल मार्गदर्शन में स्टेशन पर स्काउट दल द्वारा ट्रेनों में यात्रिगणों को पानी पिलाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। ट्रेनों में अधिक भीड़ होने के कारण रेलवे स्टेशन पर बूथ लगा कर यात्रियों को पानी पिलाया जा रहा है । इस जल सेवा में स्काउट गाइड के सभी लीडर्स बच्चे अपनी सेवाएं दे रहे हैं ।

इशिता विश्वकर्मा को प्रदेश सरकार सम्मानित करे

विश्वकर्मा प्रगति संघ ने पूर्व मंत्री अजय विश्नोई से की मुलाकात

जबलपुर यशभारत।विश्वकर्मा प्रगति संघ के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री अजय विश्नोई से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। संघ ने मांग की है कि इंडिया गॉट टैलेंट की रनरअप सुश्री इशिता विश्वकर्मा को प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित करे। उल्लेखनीय है कि इशिता विश्वकर्मा सारेगामापा प्रतियोगिता 2019 की विजेता रही हैऔर अभी वर्ष 2022 में इंडिया गोट टैलेंट की रनर अप रही है। राजस्थान सरकार एवं मणिपुर सरकार द्वारा अपने प्रदेश के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया है। सारेगामा पा प्रतियोगिता 2019 में विजेता रही इशिता को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाडो पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लेकिन इस बार राष्ट्रीय स्तर पर रनर अप रह कर प्रदेश का मान बढ़ाने वाली इशिता प्रदेश सरकार से उपेक्षित है।विश्वकर्मा संघ के पदाधिकारियों के आग्रह पर पूर्व मंत्री पाटन विधायक अजय विश्नोई जी ने विश्वकर्मा समाज के पत्र के साथ प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा। जिसमें कहा गया वर्ष 2022 में इंडिया गोट टैलेंट में भाग लेने वाले राजस्थान सरकार एवं मणिपुर के प्रतिभागियों को वहां की सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है।पूर्व में सारेगामा पा प्रतियोगिता 2019 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भी लाडो पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। श्री विश्नोई के पत्र के साथ विधायक सुशील तिवारी इंदु भैया कैंट विधायक अशोक रोहाणी पूर्व महापौर स्वाति गोडबोले डॉक्टर जामदार राज्यमंत्री नगरअध्यक्ष जी एस ठाकुर ग्रामीण अध्यक्ष रानू तिवारी ने भी अनुशंसा के साथ हस्ताक्षर कर फैक्स किया।इस दौरान विश्वकर्मा प्रगति संघ के अध्यक्ष बलिराम विश्वकर्मा मुख्य सचिव नरेन्द्र विश्वकर्मा अजय विश्वकर्मा त्रिलोकी दास विश्वकर्मा संतोष विश्वकर्मा प्रेम विश्वकर्मा रामसेवक सुशील विश्वकर्मा मझौली आदि उपस्थित रहे।

श्रीमती जमुना देवी राठौर का स्वर्गवास

जबलपुर। जॉन्स गंज निवासी श्रीमती जमुना देवी राठौर का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया है वह राठौर समाज के पूर्व सरपंच स्वर्गीय श्री रामनाथ राठौर की धर्मपत्नी एवं बड़ी महाकाली अध्यक्ष उदय राठौर की सासू मां थी ञ अंतिम यात्रा शाम 4:00 बजे साकेत नगर से रानीताल मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

संपादकीय

सॉफ्ट–पॉवर से ही ड्रैगन के दबाव से मुक्ति

कुछ समय पहले तक भारत–नेपाल के रिश्तों में जो बर्फ जमी थी प्रधानमंत्री के हालिया दौरे से वह पिघलती नजर आई। नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर बुद्ध जयंती के मौके पर लुंबिनी गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी कि भारत व नेपाल के रिश्ते हिमालय जैसे प्राचीन व अटूट हैं। दोनों देशों के बीच शिक्षा, संस्कृति व विद्युत परियोजना को लेकर हुए छह समझौते इस बात की गवाही देते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नेपाल को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटे बीजिंग के प्रभाव को कैसे कम किया जाए। भारत व नेपाल में रोटी–बेटी का रिश्ता रहा है। हमारे सदियों पुराने सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संबंधों का विकल्प चीन कदापि नहीं बन सकता। लंबी राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजरे नेपाल में देउबा के कार्यकाल में रिश्तों में आई गर्मजोशी रिश्तों की प्राचीनता का अहसास कराती है। बहरहाल, चीन के साम्राज्यवादी मंसूबों से छोटे देशों की अस्मिता को उत्पन्न खतरे को अब नेपाल भी महसूस करने लगा है। उसे अहसास हो चुका है कि भारत–नेपाल के रिश्ते महज कारोबारी नहीं हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज की आधारशिला इसका जीता–जागता प्रमाण है, जिससे दुनिया भर के बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा। निस्संदेह वर्ष 2016 के बाद चीन ने नेपाल में भारी निवेश किया और आज बड़े विकास प्रोजेक्टों में उसकी भूमिका है। जिस दिन प्रधानमंत्री नेपाल की यात्रा पर थे उसी दिन लुंबिनी में दूर 76 मिलियन डॉलर से चीनी कंपनी द्वारा बनाये गये अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया। इस हवाई अड्डे का उपयोग न करके, हेलीकॉप्टर से नेपाल जाकर प्रधानमंत्री ने चीन को संदेश भी दिया। बहरहाल, चीन के सुर में भारत विरोध करने वाले नेपाली शासकों के दौर को अब बीते दिनों की बात मान लेना चाहिए। रिश्तों में हालिया गर्मजोशी उसकी बानगी है। दरअसल, चीन की साम्राज्यवादी नीतियों व महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना का भान नेपाल को होने लगा है। श्रीलंका समेत कई देशों की संप्रभुता जिस तरह खतरे में पड़ी है, उसने नेपाली हुक्मरानों को सचेत किया है। निस्संदेह, भारत व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के विकास, कला व संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग करके नेपाल को ड्रैगन के दबदबे से राहत दिला सकता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री की दूसरी पारी की पहली नेपाल यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कह सकते हैं कि दोनों देशों के संबंधों में यह नये दौर की शुरुआत है। बीते वर्षों में जिस तरह से भारत के खिलाफ कम्युनिस्ट पार्टी के नेता विष वमन कर रहे थे, वह हमारे लिये कष्टकारी ही था। तब आशंका पैदा हो गई थी कि सदियों पुराना मित्र देश चीन का पिछलग्गू बनने जा रहा है। लेकिन भारत ने बीती बातों को नजरअंदाज करके एक नई शुरुआत की है। वैसे नेपाल को भी अब अच्छी तरह अहसास हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था भारत के सहयोग के बिना नहीं चल सकती। सात दशक पूर्व दोनों देशों के बीच हुई संधि इस बात की पर्याय रही है। जिससे दोनों देश आपसी सहयोग से आगे का रास्ता तय करते रहे हैं। जिसके मूल में धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक रिश्तों की ताकत भी रही है। जिसे दोनों देशों की बड़ी हिंदू व बौद्ध आबादी और मजबूत बनाती है। कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री की लुंबिनी यात्रा उदार कूटनीति का ही हिस्सा रही है। ऐसे में विश्वास किया जाना चाहिए कि अब चीन नेपाल को भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं कर पायेगा। साथ ही सीमा और अन्य मुद्दों पर जो विवाद हैं उनका निस्तारण बातचीत के जरिये करने के प्रयास होंगे। देर से ही सही, नेपाल को अब लगाने लगा है कि भारत–नेपाल के रिश्ते सामरिक व आर्थिक महत्वाकांक्षाओं से परे हैं, जबकि चीन नेपाल में अपने साम्राज्यवादी हित तलाशता रहा है। बहरहाल, दोनों देशों के रिश्तों में आई गर्मजोशी सुखद ही कही जायेगी। निस्संदेह, भू–राजनीतिक लक्ष्यों की दृष्टि से नेपाल का भारत के लिये विशेष महत्व भी है।

चिंता का सबब बनता गिरता हुआ रुपया

रुपये के मूल्यह्रास का मतलब है कि डॉलर के मुकाबले रुपया कम मूल्यवान हो गया है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 77.44 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। सख्त वैश्विक मौद्रिक नीति, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और जोखिम से बचने, और उच्च चालू खाता घाटे से भारतीय रुपये के लिए गिरावट चिंता का विषय है।

भारतीय रुपये के मूल्यह्रास के पीछे विभिन्न कारक देखे तो वैश्विक इक्विटी बाजारों में एक बिकवाली जो अमेरिकी फेडरल रिजर्व (केंद्रीय बैंक) द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि, यूरोप में युद्ध और चीन में कोविड –19 के कारण विकास की चिंताओं से शुरू हुई थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के साथ, वैश्विक बाजारों में बिकवाली हुई है क्योंकि निवेशक डॉलर की ओर बढ़ गए हैं। डॉलर का बहिर्वाह उच्च कच्चे तेल की कीमतों का परिणाम है और इक्विटी बाजारों में सुधार भी डॉलर के प्रतिकूल प्रवाह का कारण बन रहा है।

भारत में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कोटक के आंकड़ों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत से लगभग 5.8 बिलियन डॉलर की निकासी की है, जिससे मुद्रा पर दबाव बढ़ गया है। बढ़ती मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए मौद्रिक नीति को कड़ा करने के लिए आरबीआई द्वारा उठाए गए कदमों से भी मूल्यह्रास हुआ है। बढ़ते व्यापार घाटे के कारण भी दबाव है – अप्रैल में घाटा मार्च में 18.7 अरब डॉलर से बढ़कर 20 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, विश्लेषकों के मुताबिक, चालू खाता घाटा 2013 के संकट के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर रहने की संभावना है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, मुद्रास्फीति की आशंका, ब्याज दरों में बढ़ोतरी और कमजोर घरेलू इक्विटी से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के कारण सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 77.43 के ताजा निचले स्तर पर आ गया। वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने, डॉलर की मजबूती ने जोखिमपूर्ण परिसंपत्तियों की मांग को प्रभावित किया, जिससे स्थानीय इकाई कम हुई। ग्रीनबैक के मुकाबले रुपया 0.7ब्र गिरकर 77.43 पर आ गया, जो इस साल मार्च में 76.98 के पिछले सर्वकालिक निचले स्तर को छू गया था। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय संपत्तियों की लगातार बिक्री को लेकर चिंता का भी मुद्रा पर असर पड़ा। फरवरी में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से रुपये पर दृष्टिकोण खराब हो गया है क्योंकि संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है।

रुपये में गिरावट का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दूरगामी प्रभाव छो?गा; चालू खाता घाटा बढ़ने, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और रुपये को कमजोर करने के लिए बाध्य है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अन्य महत्वपूर्ण आयातों के साथ, अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से लागत–मुद्रास्फीति की ओर बढ़ रही है। कॉस्ट–पुश इन्फ्लेशन जिसे मजदूरी–पुश इन्फ्लेशन के रूप में भी जाना जाता है; तब होता है जब मजदूरी और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण समग्र कीमतों में वृद्धि (मुद्रास्फीति) होती है। कंपनियों को उच्च लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर पूरी तरह से डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, जो बदले में, सरकारी लाभांश आय को प्रभावित करती है, बजटीय राजकोषीय घाटे के बारे में सवाल उठाती है। मजबूत अमेरिकी मुद्रा के साथ–साथ निराशावादी वैश्विक बाजार की भावना रुपये के मूल्यह्रास का कारण बन रही है। बाजार की धारणा भी आहत हुई है क्योंकि निवेशक बढ़ती मुद्रास्फीति, दुनिया के प्रमुख देशों में मौद्रिक नीति के सख्त होने, आर्थिक मंदी और बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव से चिंतित हैं। इसके अतिरिक्त, व्यापक व्यापार बिल के रूप में देश अपनी तेल जरूरतों का 85ब्र आयात करता है, ने निवेशकों को हिला दिया है। च्बाजार सहभागियों को डर है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत के व्यापार और चालू खाते को नुकसान होगा। रुपये में गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक के लिए दोधारी तलवार है। कमजोर रुपये को सैद्धांतिक रूप से भारत के निर्यात को बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक मांग के माहौल में, रुपये के बाहरी मूल्य में गिरावट उच्च निर्यात में तब्दील नहीं हो सकती है। मुद्रास्फीति आयातित मुद्रास्फीति का जोखिम पैदा करता है, और केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों को रिकॉर्ड स्तर पर लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल बना सकता है। भारत अपनी घरेलू तेल आवश्यकताओं का दो–तिहाई से अधिक आयात के माध्यम से पूरा करता है। भारत खाद्य तेलों के शीर्ष आयातकों में से एक है। एक कमजोर मुद्रा आयातित खाद्य तेल की कीमतों को और बढ़ाएगी और उच्च खाद्य मुद्रास्फीति को बढ़ावा देगी।

मूल्यह्रास का मुकाबला करने के लिए गैर–आवश्यक वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाने से डॉलर की मांग कम होगी और निर्यात को बढ़ावा देने से देश में डॉलर के प्रवाह को बढ़ाने में मदद मिलेगी, इस प्रकार रुपये के मूल्यह्रास को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मसाला बॉन्ड सीधे भारतीय मुद्रा से जुड़ा होता है। यदि भारतीय उधारकर्ता अधिक रुपये के मसाला बांड जारी करते हैं, तो इससे बाजार में तरलता बढ़ेगी या बाजार में कुछ मुद्राओं के मुकाबले रुपये के स्टॉक में वृद्धि होगी और इससे रुपये का समर्थन करने में मदद मिलेगी।

बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) विदेशी मुद्रा में एक प्रकार का ऋण है, जो अनिवासी उधारदाताओं द्वारा किया जाता है। इस प्रकार, ईसीबी की शर्तों को आसान बनाने से विदेशी मुद्राओं में अधिक ऋण प्राप्त करने में मदद मिलती है, जिससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा, जिससे रुपये की सराहना होगी। भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा की स्लाइड को नरम करने के लिए हस्तक्षेप कर रहा है – इसके विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट से पता चलता है कि यह गंभीर मामला है। यह मुद्रा की अस्थिरता को कम करता है।

यह देखते हुए कि रुपये का मूल्य अधिक है, केंद्रीय बैंक को मुद्रा को फिसलने की अनुमति देनी चाहिए, जिससे वह अपने स्तर का पता लगा सके, केवल अतिरिक्त अस्थिरता को कम करने के लिए हस्तक्षेप कर सके। मुद्रा मूल्यह्रास एक स्वचालित स्टेबलाइजर के रूप में कार्य करेगा। यह आयात पर अंकुश लगाकर चालू खाते के दबाव को कम करने में मदद करेगा, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मौजूदा समय में देश की अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण चालक के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

सत्यवान च्सौरभज,

चिंतन से मिटेगी कांग्रेस की चिंता

राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस पार्टी का तीन दिवसीय चिंतन शिविर संपन्न हो गया है। एक लंबे अरसे के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित इस चिंतन शिविर में पार्टी के 400 से अधिक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लेकर लगातार तीन दिनों तक इस बात का चिंतन मनन किया की पार्टी को भविष्य में आम मतदाताओं से कैसे जोड़ा जाए। कांग्रेस के गिरते जनाधार को लेकर पार्टी नेता बहुत अधिक चिंतित नजर आ रहे हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस पार्टी 2014 व 2019 में दो बार लोकसभा चुनाव हार चुकी है। इसके साथ ही कांग्रेस राज्य विधानसभाओं के चुनाव भी लगातार हारती जा रही है।

कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी के पास इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं है। अपने बूते पार्टी सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार चला रही है। महाराष्ट्र, झारखंड में कांग्रेस छोटे दल के रूप में गठबंधन की सरकार में शामिल है। राज्यसभा में भी कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में पार्टी नेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। कुछ समय से कांग्रेस पार्टी में कई वरिष्ठ नेता जी–23 नामक समूह बनाकर गांधी परिवार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में चिंतन शिविर का आयोजन कर कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

इस चिंतन शिविर से निकले विमर्श के बाद कांग्रेस पार्टी में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। चिंतन शिविर में नेताओं के आपसी विचार विमर्श के बाद सभी ने एक सुर में गांधी परिवार के प्रति आस्था जतायी। जो पार्टी नेतृत्व पर गांधी परिवार की पकड़ को दर्शाता है। चिंतन शिविर में जुटे सभी नेता इस बात से चिंतित नजर आ रहे थे कि यदि कांग्रेस का जनाधार इसी तरह कम होता गया तो आने वाले समय में पार्टी हाशिए पर चली जाएगी। ऐसी ऐसी स्थिति से बचने के लिए सभी को एक साथ मिलकर जनाधार बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

उदयपुर के चिंतन शिविर में पार्टी नेतृत्व कई कड़वी सच्चाई से अवगत भी हुआ और उन्हें सार्वजनिक रूप से स्वीकार भी किया। शिविर के खत्म होने पर अपने भाषण में राहुल ने साफ तौर पर कहा कि जनता से हमारा सम्पर्क टूट गया है। हमें बिना सोचे जनता के बीच जाकर बैठ जाना चाहिए। हमें उस सम्पर्क को हमें फिर से बनाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को आम लोगों से अपने संवाद के तरीके में भी बदलाव करना पड़ेगा।

अपने उदयपुर दौरे से राहुल गांधी ने अपनी बॉर्न विद द् सिल्वर स्पून इन माउथ यानि कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाली इमेज को खत्म करने की कोशिश की है। इसी के चलते आमतौर पर हवाई जहाज से सफर करने वाले राहुल गांधी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ इस बार दिल्ली से उदयपुर तक रेल से यात्रा की। राहुल गांधी हर स्टेशन पर ट्रेन से निकलकर कार्यकर्ताओं से मिले। ताकि खुद का लोगों से जुड़ाव दिखा सके। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर कुलियों से भी मुलाकात की। उदयपुर पहुंचने के बाद रेलवे स्टेशन से होटल तक जिस बस में अन्य नेताओं को जाना था उसी बस में राहुल भी सवार होकर गए। उदयपुर के होटल ताज अरावली में राहुल गांधी के लिए लग्जरी प्रेजिडेंशियल सुईट बुक था। मगर राहुल गांधी सामान्य कमरे में रुके। जहां कांग्रेस के अन्य दूसरे नेता रूके थे। इस दौरान डिनर टेबल और मीटिंग्स में भी राहुल गांधी काफी सहज नजर आए। राहुल गांधी ने दिल्ली वापसी के दौरान भी चार्टर प्लेन के स्थान पर नियमित विमान से ही यात्रा की।

कांग्रेस के इस चिंतन शिविर के समापन पर पार्टी में होने वाले कई बड़े सुधारों की भी घोषणा की गई थी। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया गया है। पार्टी में एक परिवार एक टिकट का फार्मूला लागू करने, संगठन में हर स्तर पर युवाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने और अगले लोकसभा चुनाव से 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने पर का भी फैसला किया गया है। इस चिंतन शिविर के समापन के बाद कांग्रेस पार्टी की तरफ से उदयपुर नव संकल्प जारी किया गया। जिसमें राजनीतिक मुद्दों, संगठन से जुड़े विषयों, पार्टी के भीतर सुधारो, कमजोर तबकों को फिर से साथ जो?ने, युवाओं, छात्रों और आर्थिक मुद्दों पर पार्टी का नजरिया रखा गया। साथ ही आगे के कदमों का भी स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया।

कांग्रेस के चिंतन शिविर के समापन के अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस शिविर को बहुत सार्थक और उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि हम 2 अक्टूबर गांधी जयंती से कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करेंगे। हम सब लोग इसमें भाग लेंगे। यात्रा का मकसद सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना और संविधान के उन बुनियादी मूल्यों की रक्षा करना है जिस पर हमला हो रहा है। उन्होंने बताया कि 15 जून से जिला स्तर पर 'जन जागरण अभियान' का दूसरा चरण आरंभ होगा जिसमें बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को पुरजोर ढंग से उठाया जाएगा।

चिंतन शिविर के समापन के मौके पर सोनिया गांधी ने घोषणा की कि कांग्रेस कार्य समिति के कुछ सदस्यों को लेकर अब एक सलाहकार समूह बनाया जाएगा। सोनिया गांधी ने कहा कि एक समग्र कार्य बल बनेगा जो उन आंतरिक सुधारों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। जिन पर इस चिंतन शिविर में चर्चा हुई है। यह सुधार 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे और इसमें संगठन के सभी पहलुओं को शामिल किया जायेगा। शिविर में पार्टी ने पब्लिक इनसाइट विभाग, राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान और चुनाव प्रबंधन विभाग का गठन करने और स्थानीय स्तर पर मंडल समितियां बनाने का भी फैसला किया है।

कांग्रेस पार्टी ने इससे पूर्व 1998 में मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में पहला चिंतन शिविर का आयोजन किया था। उस दौरान भी पार्टी केंद्रीय सत्ता से बाहर थी और आज की तरह कई चुनौतियों का सामना कर रही थी। उस शिविर में कांग्रेस पार्टी ने फैसला किया था कि उन्हें चुनाव जीतने के लिए किसी पार्टी से गठबंधन की जरूरत नहीं है। पार्टी को भरोसा था कि पार्टी अपने नेताओं के बल पर चुनाव जीतेगी। 2003 में पार्टी ने शिमला में चिंतन शिविर का आयोजन किया था। इस शिविर में कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन की अहमियत को समझा और गठबंधन की राह पर जाने का फैसला किया। जिसकी बदौलत 2004 में कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाने में सफल रही और लगातार 10 वर्ष तक केंद्र में शासन किया।

कांग्रेस का तीसरा चिंतन शिविर 2013 में जयपुर में आयोजित किया गया था। जिसमें राहुल गांधी को नेता प्रोजेक्ट करना मुख्य उद्देश्य था। उस शिविर के बाद राहुल गांधी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि 2013 के चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी की हालत लगातार कमजोर होती चली गई। जिसके चलते पार्टी ने इस बार फिर उदयपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया है। ऐसा लगता है कि इस चिंतन शिविर के बहाने कांग्रेस पार्टी अपनी आंतरिक कमजोरियों को दूर करेगी और 2024 का लोकसभा चुनाव पूरी ताकत लगा लगा कर लड़ेगी। इस चिंतन शिविर के बाद राहुल गांधी को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। ताकि उनके नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ा जा सके।यदि चिंतन शिविर में लिए गए प्रस्तावों व संकल्पो पर पार्टी दृढ़ निश्चय रहकर आगे बढ़ती है तो आने वाले समय में कांग्रेस को निश्चित तौर उसका पर लाभ मिलेगा। फिलहाल कांग्रेस पार्टी को अपना पूरा ध्यान आम मतदाता से जुड़ने पर लगाना होगा। तभी 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी।

–रमेश सर्राफ धमोरा

आपका राशिफल 20 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5814

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्रॉफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तारा' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'इस गोरी ... वहां' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्चों वे मिर्चों' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरुद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5813

भारत के इस गांव को मिला बेस्ट टूरिज्म विलेज का पुरस्कार

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित पोचमपल्ली गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने सर्वोत्तम पर्यटन गांवों में से एक चुना है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। गांव के लोगों को बधाई देते हुए केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री रेड्डी ने कहा कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्पेन के मेड्रिड में दो दिसंबर 2021 को यूएनडब्ल्यूटीओ महासभा के 24वें सत्र के दौरान दिया जाएगा। मंत्री ने कहा,'पोचमपल्ली और विशेष रूप से तेलंगाना के लोगों की ओर से मैं आभारी हूं कि पोचमपल्ली गांव को यह पुरस्कार दिया गया। मैं मंत्रालय के अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने प्रभावी ढंग से पोचमपल्ली का प्रतिनिधित्व किया।' उन्होंने कहा कि पोचमपल्ली की विशेष बुनाई की कला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र के जरिये आत्मनिर्भर भारत के तौर पर विशेष महत्व मिला। नलगोंडा जिले के पोचमपल्ली गांव में विशिष्ट 'इकत' शैली से साड़ियां तैयार की जाती हैं इसलिए इसे भारत की 'सिल्क सिटी' कहा जाता है।

सूडोकू नवताल- 6330

*** सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -6329 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

विचार प्रवाह

मीठा बोलिए ! मीठा खाने को न मिले तब भी मीठा बोलिए। इतिहास गवाह है कि रावण ने कड़वे वचनों के कारण अपने भाई विभीषण को खो दिया था और उधर विभीषण ने मीठे वचनों के कारण अपने भाई के दुश्मन राम को अपना बना लिया था। कड़वा मत बोलिए। कड़वा बोलने के लिए तरुणसागर ही बहुत हैं। आप मत बोलिए। दूसरे के दिल को ठंडक दे, ऐसा बोलिए।

–मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7371

बाएँ से दाएँ

1. प्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत,मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा,मदद-3
8. आश्रय,शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. दासत्व,गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा,लालसा-3
15. दुगना,दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी,साजन-3
21. कैनाल,उपनदी-3
23. जीवन सत्व,प्राण-2
24. प्रहार,आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना,वध करना-2
3. नृत्य,कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात,अनाम-3
7. नदी,दरिया-3
8. जांच,परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश,विध्वंस-3
14. अंजन,नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक,संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड,शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7370 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पर्यटन विभाग की 16 इकाइयों को मिला ट्रिप एडवाइजर अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

भोपाल। विश्व विख्यात पर्यटक मार्गदर्शी संस्था ट्रिप एडवाइजर (यूएसए) के ट्रैवलर्स चाइस अवार्ड-2022 में मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की 16 इकाइयों ने ट्रिप एडवाइजर्स एनुअल ट्रैवलर्स अवार्ड जीता है। पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक एस विश्वनाथन ने बताया कि पलाश रेसीडेंसी भोपाल, बघीरा जंगल रिसार्ट मोचा, बेतवा रिट्रीट ओरछा, जंगल रिसार्ट उदयगिरी, बायसन रिसार्ट मढ़ई, हालिडे होम्स अमरकंटक, कलचुरी रेसीडेंसी जबलपुर, राक एंड मेनोर पचमढ़ी, चंपक बंगलो पचमढ़ी, होटल अमलतास पचमढ़ी, हाइलैंड्स पचमढ़ी, टूरिस?ट विलेज शिवपुरी, सफारी लाज मुक्की, शीशमहल ओरछा, व्हाइट टाइगर फारेस्ट लाज बांधवगढ़ एवं तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर को अवार्ड मिला है। प्रबंध संचालक विश्वनाथन ने निगम की इकाइयों को विश्वस्तरीय अवार्ड प्राप्त होने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय न केवल मध्यप्रदेश पर्यटन, बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इन सुरम्य पर्यटन इकाइयों को सम्मानजनक स्थान तक पहुंचाने में इकाइयों के सभी वरिष्ठ प्रबंधकों के कुशल प्रबंधन एवं मार्गदर्शन के साथ समस्त स्टाफ का सर्वाधिक योगदान है। उन्होंने निगम परिवार की ओर से मध्यप्रदेश आने वाले सभी पर्यटकों को भी वोटिंग करने के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

कैसे जीता अवार्ड

'ट्रिप एडवाइजर' संस्था संपूर्ण विश्व में विभिन्न स्थानों पर गए पर्यटकों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर मूल्यांकन कर हर वर्ष यह अवार्ड प्रदान करती है। पर्यटकों की ओर से दुनियाभर के होटल, रेस्तरां और दूसरे स्थानों को दी हुई रेटिंग के आधार पर ट्रैवलर्स च्वाइस अवार्ड के लिए चुना जाता है। हर श्रेणी में दुनिया के चुनींदा 25 शहरों, पर्यटन स्थलों, और होटल्स रेस्टोरेंट की सूची बनाकर प्रत्येक श्रेणी में अवार्ड की घोषणा की जाती है। उल्लेखनीय है कि निगम की समस्त इकाइयों में पर्यटकों के ठहरने के लिए पूर्णत- सुसज्जित अतिथि कक्षों, खान-पान, मनोरंजन गतिविधियां और आरामदायक स्टे की सुविधाएं दी जाती है।

जनता की सुरक्षा के लिए निगरानी का नेटवर्क तैयार कर रही स्मार्ट सिटी कंपनी

इंदौर। शहर में आम जनता की सुरक्षा व निगरानी के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा सीसीटीवी कैमरों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार करने की तैयारी है। इसमें शहर के करीब एक लाख कैमरों को सिटी बस आफिस परिसर में बने इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर से जोड़ने की तैयारी की है। शहर में अभी पुलिस विभाग द्वारा चौराहों व प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों को भी इस कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। नगर निगम व पुलिस विभाग की संयुक्त कमेटी यह तय करेगी कि अभी शहर में सुरक्षा लिए किन चौराहों, मार्गों, बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर कैमरे लगाए जाने की योजना है। अभी बाजारों व प्रमुख स्थानों पर जो सीसीटीवी कैमरे लगे है उन्हें कंट्रोल कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा जनसहयोग के माध्यम से भी कई नए स्थानों पर कैमरे लगवाए जाएंगे। शहर में प्रमुख स्थानों पर वेहरा पहचाने वाले कैमरे भी लगाए जाएंगे ताकि अपराधियों व दुर्घटना के समय लोगों की पहचान हो सकें। इसके अलावा कई चौराहों पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के लिए वाहनों की नंबर प्लेट को पहचानने वाले सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे।

ट्रैफिक मैनेजमेंट में भी मिलेगी मदद

इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत शहर के प्रमुख मार्गों व चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को आपस में जोड़ा जाएगा। इसकी निगरारी भी कंट्रोल कमांड सेंटर से होगी।

ऐसे में किसी भी चौराहों पर ट्रैफिक जाम स्थिति होगी तो इस कंट्रोल रूम में बैठी टीम को पता चल जाएगा और ट्रैफिक पुलिस के माध्यम ट्रैफिक को डायवर्ट भी किया जा सकेगा।

शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस सहित 24 ट्रेनों में सामान्य रेल टिकट सेवा बहाल

भोपाल। रेलयात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस समेत 24 ट्रेनों में सामान्य रेल टिकट सेवा बहाल हो गई है। अब यात्रीगण इन ट्रेनों की सामान्य बोगियों के टिकट रेलवे स्टेशन के काउंटरों से खरीद सकते हैं। सामान?य टिकट रेलवे के यूटीएस मोबाइल एप पर भी उपलब्ध हैं। अभी तक इन ट्रेनों के सामान्य टिकट आरक्षण व्यवस्था के तहत खरीदने पड़ते थे। जून के अंत तक सभी 300 ट्रेनों में ये टिकट मिलने लगेंगे। कोरोना महामारी के पहले ये टिकट रेलवे स्टेशन के काउंटर व मोबाइल एप से तुरंत मिल जाते थे। इनके लिए आरक्षण कराने की जरूरत नहीं थी। महामारी के बाद इन्हें आरक्षण व्यवस्था के तहत बेचा जाने लगा। ऐसा ट्रेनों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किया था, जिसका नुकसान यात्रियों को हो रहा है। इन टिकटों को आरक्षण व्यवस्था के तहत बुक कराने के लिए रेल किराया के अतिरिक्त 15 रुपये चुकाने पड़ते हैं, जो आरक्षण शुल्क के नाम पर लिया जा रहा है। अब रेलवे इस व्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। 29 जून तक सभी ट्रेनों में सामान्य टिकट पुरानी व्यवस्था के तहत मिलने शुरू हो जाएंगे। अभी जिन 24 ट्रेनों में बगैर आरक्षण के रेल टिकट मिल रहे हैं, वे भोपाल से बनकर चलती हैं और दूसरे मंडलों से आकर यहां समाप्त होती हैं।

इन ट्रेनों में मिल रहे सामान्य (अनारक्षित) टिकट

11117 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्स., 11118 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्स., 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्स., 11272 भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्स., 22161 भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्स., 12154 रानी कमलापति-एलटीटी एक्स., 12155 रानी कमलापति-निजामुद्दीन शान ए भोपाल एक्स., 12197 भोपाल-ग्वालियर सुपरफास्ट एक्स., 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्स., 13026 भोपाल-हावड़ा एक्स., 14814 भोपाल-जोधपुर एक्स., 14813 जोधपुर-भोपाल एक्स., 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्स., 19324 भोपाल-डाक्टर आंबेडकर नगर एक्स., 19323 डा आंबेडकर नगर-भोपाल एक्स., 19340 भोपाल-दाहोद एक्स., 19339 दाहोद-भोपाल एक्स., 19712 भोपाल-जयपुर एक्स., 19711 जयपुर-भोपाल एक्स., 22163 भोपाल-खजुराहो महामना सुपरफास्ट एक्स., 22164 खजुराहो-भोपाल महामना सुपरफास्ट एक्स., 22187 रानी कमलापति-अधारताल इंटरसिटी एक्स., 12183 भोपाल-जोधपुर एक्स., 12185 रानी कमलापति-रीवा रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेनों में सामान्य श्रेणी के रेल टिकट मिलने लगेंगे।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन तक वैकल्पिक मार्ग बनाने की योजना पर नहीं हो सका अमल

भोपाल। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन तक वैकल्पिक मार्ग निर्माण की योजना पर अभी तक अमल नहीं हो सका है। मार्ग बनाने की योजना पांच साल पहले रतलाम रेल मंडल ने बनाई थी। अब यह स्टेशन भोपाल मंडल में शामिल हो चुका है, फिर भी काम नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में स्टेशन तक पहुंचने के लिए 60 साल पुराने स्टेशन रोड का उपयोग किया जा रहा है। बढ़ती आवाजाही के मान से यह मार्ग संकरा साबित होने लगा है। इस रोड पर बड़ी संख्या में थोक किराना एवं अनाज की दुकाने हैं। वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में दिक्कत होती है। यात्रियों को दिक्कतों को देखते हुए ही रतलाम मंडल ने फाटक रोड छोर से स्टेशन तक नया मार्ग बनाने की योजना बनाई थी। इस रोड पर कई झुग्गियां बनी हैं। रतलाम मंडल ने कई बार झुग्गियां हटाने का प्रयास किया लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप की वजह से ऐसा नहीं हो सका। तीन साल पहले स्टेशन को भोपाल रेल मंडल में शामिल किया गया था। भोपाल मंडल ने फाटक रोड से छोर से अवैध निर्माण हटाने के लिए कई बार नोटिस जारी किए। पिछले साल रेलवे की इंजीनियरिंग शाखा ने वैकल्पिक मार्ग में बाधक कई निर्माण हटा दिए। माना जा रहा था कि अब मार्ग का निर्माण हो जाएगा पर अभी तक काम शुरू हीं नहीं हुआ है। रेल सुविधा संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी का कहना है कि भविष्य में संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर कई यात्री ट्रेनों का स्टापेज प्रस्तावित है। इसे देखते हुए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण जल्द होना चाहिए। समिति ने वर्तमान स्टेशन रोड को केवल वन-वे करने का सुझाव दिया है। आसनानी का कहना है कि वैकल्पिक मार्ग बनने के बाद स्टेशन तक आने के लिए पुराने मार्ग एवं जाने के लिए नए मार्ग का उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करने से बार-बार जाम लगने की समस्या समाप्त हो जाएगी।

5 करोड़ रुपये की लागत से सर्वधर्म पुल का होगा चौड़ीकरण

भोपाल। शहर के उपनगर कोलार का सर्वधर्म पुल का आगामी दिनों में चौड़ीकरण होगा। अभी पुल फोरलेन है। चौड़ीकरण के बाद सिक्सलेन हो जाएगा। इससे वाहनों का दवाब बढ़ने से ट्रैफिक जाम लगने की समस्या दूर हो जाएगी। चौड़ीकरण का लाभ कोलार की ढाई लाख की आबादी व यहां पर रोजाना अलग-अलग इलाकों से आने वाले 50 हजार कुल तीन लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। पुल का चौड़ीकरण कार्य के लिए बुधवार को हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। विधायक शर्मा ने बताया कि कोलार मुख्य रोड को 222 करोड़ की लागत से सिक्सलेन किया जा रहा है, इसलिए इस पुल को भी सिक्सलेन किया जाना जरूरी है। अलग से पांच करोड़ की लागत से सर्वधर्म पुल को 11 मीटर चौड़ा किया जाएगा। जिसकी लम्बाई 60 मीटर होगी। लोक निर्माण विभाग पुल बनाने का काम करेगा। इसके लिए विभाग ने निविदा जारी कर दी है। जून तक सभी औपचारिकताओं को पूर्ण निर्माण कार्य शुरू कर लिया जाएगा।

18 करोड़ से बनेगा केरवा-कोलार-हिनोतिया-मक्सी मार्ग,जल्द होगाकाम शुरू

विधायक रामेश्वर शर्मा ने केरवा डेम से कोलार-हिनोतिया-भेरोपुर- मक्सी रोड का भी अवलोकन किया। 18 करोड़ 17 लाख से नहर के समानांतर सड़क का निर्माण किया जाएगा। 13.5 किलोमीटर इस रोड का निर्माण लोक निर्माण विभाग करेगा। विधायक शर्मा ने अपने सामने ही सड़क निर्माण के लिए नपती करायी और आवश्यक निर्देश दिए हैं। विधायक रामेश्वर शर्मा ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस रिंग रोड दूसरे चरण एवं नव निर्मित सलैया मार्ग का भी अवलोकन किया।

25 लाख से कोलार शासकीय अस्पताल में बनेगा अतिरिक्त वार्ड

विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं नागरिकों के साथ 25 लाख से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अतिरिक्त वार्ड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने अपनी विधायक निधि से यह राशि वार्ड निर्माण के लिए दी है। वार्ड का निर्माण एनआरएचएम द्वारा किया जाएगा। शिलान्यास करने पहुंचे। विधायक शर्मा ने अस्पताल में व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया।

सीवेज लाइन से धंसी सड़क, निगमायुक्त ने लगाई फटकार

भोपाल। राजधानी में सीवेज नेटवर्क के लिए बिछाई जा रही पाइप लाइन का मंगलवार को निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी ने निरीक्षण किया। इस दौरान रोहित नगर मुख्य मार्ग पर धंसी हुई सड़क देखकर तत्काल वाहन रुकवाया और अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इसकी मरम्मत कराने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि धंसी हुई सड़क दूर से ही मुझे दिखाई दे रही है, लेकिन ये आप लोगों को क्यों नहीं दिखाई देती। क्या कोई दुर्घटना होने के बाद ही इसकी मरम्मत की जाएगी। इसके बाद वहां उपस्थित सीवेज शाखा के प्रभारी संतोष गुप्ता ने गलती मानते हुए जल्द सुधार कराने का आश्वासन दिया।

इस दौरान निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त पवन सिंह भी मौजूद रहे। निगम आयुक्त चौधरी ने मंगलवार को चूना भट्टी, जानकी नगर, शाहपुरा सी-सेक्टर, शाहपुरा थाना, बावडियाकला, रोहित नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल, सी-21 मॉल इत्यादि क्षेत्रों में सीवेज लाईने डालने, सीवेज नेटवर्किंग, घर-घर सीवेज संबंधी कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों से वर्तमान कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीवेज लाईनों को बेहतर ढंग से बिछाकर सीवेज नेटवर्किंग को व्यवस्थित करने, सीवेज चेम्बर्स व अन्य कार्यों को शीघ्रता से व्यवस्थित एवं कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने अनेक स्थानों पर घरों से चेम्बर तक कनेक्शन के कार्य को देखा और व्यवस्थित ढंग से कनेक्शन करने एवं सभी प्रकार के पानी की निकासी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

SMART KID 12 वीं कक्षा के छात्र ने तैयार किया था स्कूलों को धमकी भरे मेल भेजने का प्रोग्राम

भोपाल। शहर के 11 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में कोयंबटूर के सेलम शहर का रहने वाले 17 वर्षीय के किशोर को साइबर क्राइम ने हिरासत मेंं लिया है। 12 वीं कक्षा के इस छात्र ने पाइथन लैंग्वेज पर बोट कंप्यूटर प्रोग्राम बनाया और उसे टेलीग्राम इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एक अनजान व्यक्ति को 200 डालर में बेचा था। अनजान व्यक्ति ने इस कंप्यूटर प्रोग्राम का इस्तेमाल करते हुए अनेक स्पूफिंग ईमेल जनरेट किए जिसे आठ अप्रैल को बंगलुरु कोयंबटूर के अलग- अलग स्कूलों के आइपी एड्रेस पर भेजा गया।महीने भर तक बंगलुरु और कोयंबटूर पुलिस को परेशान करने के बाद इसी अज्ञात आरोपित ने इसी आईपी एड्रेस का उपयोग कर 13 मई को भोपाल के स्कूल को धमकी भरी भाषा में बम विस्फोट करने का ईमेल भेजा। आरोपित ने धमकी भरा ई-मेल भेजने के लिए चार तरह के इंटरनेट प्रोटोकाल एड्रेस इस्तेमाल किए थे। इनमें से एक प्रोटोकॉल वर्जन सिक्स के लेटेस्ट केटेगिरी का था, बंगलुरु की साइबर पुलिस भी ट्रैक नहीं कर पा रही थी। इस सुविधा का सामना कर रही भोपाल साइबर पुलिस में जीमेल कंपनी की सहायता लेकर आईपी के लेटेस्ट वर्जन सिक्स की जानकारियां निकाली। जीमेल से जानकारी मिलने के बाद भोपाल साइबर पुलिस की एक टीम कोयंबटूर के सेलम जिले रवाना हुई। यहां छानबीन के बाद 17 साल का आरोपित तक पुलिस पहुंच गई।

बोट कम्प्यूट प्रोग्रामिंक के तहत दस प्रोग्राम बनाकर बेच चुका है

साइबर क्राइम के मुताबिबक सामान्य परिवारिक पुष्ठभूमि के इस किशोर ने पुलिस को बताया कि वह बोट कंप्यूटर प्रोग्रामिंग (रोबोट की तरह काम करने वाला आटोमेटिक प्रोग्राम) के जरिए साफ्टवेयर डवलप किया था। टेलीग्राम इंटरनेट मीडिया के माध्यम से वह अभी तक ऐसे 10 प्रोग्राम बनाकर बेचे हैं। हाल ही में एक व्यक्ति को

बेंगलुरु में साइबर आतंकवाद का मामला दर्ज

स्पूफिंग ईमेल जनरेट करने वाला बोट प्रोग्राम 200 यूएस डालर में बेचा था। पुलिस ने आरोपित किशोर के खिलाफ भोपाल साइबर थाने में धारा 504 के तहत मामला दर्ज कर नोटिस जारी किया है। 17 साल के आरोपित किशोर के खिलाफ बंगलुरु पुलिस पिछले 41 दिन से तलाश अभियान चला रही थी। 8 अप्रैल को किशोर के बनाए बोट प्रोग्राम के जरिए बेंगलुरु एवं कोयंबटूर में हड़कंप मचा था। बेंगलुरु पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ धारा 16- एफ, आइटी एक्ट एवं साइबर आतंकबाद की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

अब टेलीग्राम के सरवर की पड़ताल

रशियन कंपनी द्वारा संचालित टेलीग्राम इंटरनेट मीडिया के माध्यम के खिलाफ साइबर पुलिस भोपाल और बंगलुरु पुलिस ने संयुक्त् रूप से जांच शुरू कर दी है। कंपनी का सरवर यूनाइटेड स्टेट के कई शहरों में रखा हुआ है एवं इसका संचालन रूस से किया जा रहा है। टेलीग्राम प्लेटफार्म पर अकाउंट बनाकर 200 डालर में बोट प्रोग्राम खरीदने वाले आरोपित की जानकारी जुटा रही है।

रहवासियों ने दी चेतावनी, शराब दुकान नहीं हुई शिफ्ट तो करेंगे उग्र प्रदर्शन

भोपाल। पांच नंबर स्टाप पर संचालित की जा रही शराब दुकान के विरोध में मंगलवार को रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान रहवासियों ने चेतावनी दी कि यदि जल?द ही शराब दुकान शिफ्ट नहीं की गई तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले भी रहवासी और भाजपा के कार्यकर्ता दुकान को शिफ्ट कराने के लिए विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रदर्शन के दौरान मौजूद महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान पूर्व नगर निगम अध?यक्ष रामदयाल प्रजापति, पूर्व पार्षद आसाराम शर्मा, पूर्व पार्षद रामेश्वर राय दीक्षित, राकेश जैन, मंडल अध्यक्ष डिंपल श्रीवास्तव, राजेंद्र राठौर, महिला नेत्री बिजला सचान, नीतू सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष किशन उपाध्याय, रोहित बाबूलाल जाधव, प्रमोद राठौर, निधि चौरसिया, राजकुमारी शर्मा, राजेंद्र राठौड़, सुनीता समेत सभी ने संबोधित करते हुए एक स्वर में कहा कि अगर या दुकान आठ दिन के अंदर यहां से शिफ्ट नहीं की गई तो हम सभी रहवासियों के साथ उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी।

कलेक्टरों को भेजे चरणवार कार्यक्रम

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकास से पहले त्रिस्तरीय पंचायत (ग्राम, जनपद और जिला) के चुनाव हो सकते हैं। ये तीन चरणों में कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने कलेक्टरों को चरणवार कार्यक्रम भेजकर उनकी सहमति मांगी है। साथ ही यह कहा कि दो विकासखंड में आने वाले जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन एक ही दिन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए यदि प्रस्तावित कार्यक्रम में कोई बदलाव करना है तो उसका प्रस्ताव 20 मई तक भेजा जाएगा। पंचायत चुनाव मतपत्र से कराए जाएंगे। अभी जनपद और जिला पंचायत के चुनाव इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, पंच और सरपंच का चुनाव मतपत्र से होता था।

किस विकासखंड का किस चरण में होगा चुनाव

जिला-प्रथम चरण-द्वितीय चरण-तृतीय चरण

भोपाल-फंदा, बैरसिया
राजगढ़- ब्यावरा, राजगढ़-जीरापुर, खिलचीपुर-नरसिंहगढ़, सारंगपुर
रायेसन-सांची, सिलवानी-बाड़ी, औबेदुल्लागंज-बेगमगंज, गैरतगंज
सीहोर-सीहोर-भैरूंदा, इछावर-आष्टा, बुदनी
विदिशा-बासोदा, विदिशा-कुरवाई, ग्यारसपुर-सिरोंज, नटेरन, लटेरी
इंदौर-सांवरे, इंदौर, देपालपुर, महू
खरगोन-बड़वाह, महेश्वर-कसरावद, झिरन्या, खरगोन-भीकनगांव, भगवानपुरा, गोगांवा, सेगांव
खंडवा- पुनासा, हरूसद, बलड़ी (किल्लोद)-खालवा, खंडवा-पंधाना, छैगांवमाखन
धार-नालछा,-
गंधवानी,मनावर,धरमपुरी-बदनावर, तिरला, उमरबन, धार, कुक्षी-सरदारपुर, बाग, निसरपुर, डहीं
झाबुआ-पेटलावद- थांदला, मेघनगर- झाबुला, रानापुर, रामा
बुरहानपुर-निरंक-खकनार-
बुरहानपुर- आलीराजपुर-निरंक-निरंक-सोंडवा, आलीराजपुर, भावरा, कठ्ठिवाड़ा, उयदगढ़, जोबट
बड़वानी-राजपुर, ठीकरी-बड़वानी, पानसेमल, निवाली-सेंधवा, पाटी
ग्वालियर-मुरार, भितरवार, घाटीगांव, डबरा-निरंक-निरंक
गुना-गुना-राघौगढ़, आरोन-चाचौड़ा,

बमोरी- शिवपुरी-खनियाधाना, बदरवास-पिछोरी, नरवर, कोलारस-पोहरी, करेरा,शिवपुरी
अशोकनगर-अशोकनगर-ईसागढ़-मुंगावली- दतिया-निरंक-दतिया, सेवड़ा, भांडेर-निरंक जबलपुर-सिहोरा, कुंडम, पनागर, बरगी-मझौली, पाटन, शाहपुरा-निरंक
छिंदवाड़ा-तामिया, हर्रई, अमरवाड़ा-सौंसर, पांढुर्ना,परासिया-छिंदवाड़ा,मोहखेड़ा, जुन्नरदेव, चौरई, बिछुआ- सिवनी-सिवनी, बरघाट-लखनादौन,घंसौर, धनोरा-केवलारी, छपारा, कुरई बालाघाट-बैहर, परसवाड़ा,वारासिवनी,
खैरलांजी-लांजी,किरनापुर, कटंगी-बालाघाट, लालबर्रा, बिरसा मंडला-नारायणगंज,निवास, बीजाडांडी-घुघरी, मोहगांव,मंडला-बिछिया, मवई, नैनपुर
डिंडौरी-शहपुरा, मेंहदवानी-डिंडौरी, अमरपुर-समनापुर, बजाग, कुरंजिया
नरसिंहपुर-निरंक-नरसिंहपुर, गोटेगांव, करेली, चांवरपाठा, बाबई
चीचली, साईंखेड़ा-निरंक
कटनी-बहोरीबंद,रीठी-बड़वारा, कटनी-विजयराघवगढ़, ढीमरखेड़ा
उज्जैन-खाचरौद, घट्टिया-बड़नगर, उज्जैन-महिदपुर, तराना
नीमच-नीमच-जावद-मनासा
रतलाम-आलोट-बाजना, सैलाना-रतलाम, जावरा, पिपलोदा
शाजापुर-शाजापुर-मोमन बड़ोदिया-शुजालपुर,कालापीपल
आगर मालवा-आगर-बड़ौद-सुसनेर, नलखेड़ा- मंदसौर-मंदसौर-सीतामऊ,भानपुरा-गरोठ, मल्हारगढ़
देवास-निरंक-देवास, टोंकखुर्द, सोनकच्छ-बागली, कन्नौद, खातेगांव
सागर-सागर, रेहली, केसली-मालथौन,बंडा, देवरी, बीना-राहतगढ़,खुरई, शाहगढ़, जैसीगगर
छतरपुर-छतरपुर, राजनगर-बड़ामलहरा, बकस्वाह, बारीगढ़-नौगांव, लवकुशनगर,बिजावर
दमोह-जवेरा, पथरिया-दमोह, बटियागढ़-हटा, पटेरा
टीकमगढ़-बलदेवगढ़-टीकमगढ़, पलेरा-जतारा
निवाड़ी-निरंक-निरंक-पृथ्वीपुर, निवाड़ी पन्न-निरंक-गुन्नौर, पन्न, पवई, शाहनगर, अजयगढ़-निरंक
रीवा-हनुमना, मऊगंज,नईगढ़ी-रीवा, रायपुर कुर्चलियान, गांगेव-सिरमौर, जवा, त्यौंथर
सिंगरौली-निरंक-चितरंगी-देवसर, बैढ़न- सीधी-सीधी-सिंहावल, कुसमी-रामपुर नैकिन, मझौली
सतना-चित्रकूट-सुहावल, उचहेरा-नागौद, अमरपाटन, रामनगर-रामपुर बघेलान, मैहरनर्मदापुरम-सोहगपुर, केसला-सिवनी मालवा, पिपरिया-नर्मदापुरम, माखन नगर, बनखेड़ी
बैतूल-बैतूल, आमला, शाहपुर-घोड़ाडोंगरी,मुलताई, आठनेर, चिचोली-प्रभातपट्टन,भैंसदेही, भीमपुर
हरदा-निरंक-निरंक-हरदा, टिमरनी, खिरकिया- शहडोल-सोहागपुर-बुढ़ार, पाली नंबर एक-ब्योहारी, जयसिंहनगरउमरिया-निरंक-मानपुर-उमरिया, पाली नंबर दो
अनूपपुर-निरंक-पुष्पराजगढ़-अनूपपुर, जैतहारी, कोतमाभिंड-मिहोना, लहार-अटेर, भिंड-मेहगांव, गोहदश्योपुर-निरंक-कराहल-श्योपुरकलां, विजयपुर मुरैना-अंबाह-पोरसा-मुरैना, जौरा-सबलगढ़, कैलारस, पहाड़गढ़

ओबीसी पिछड़ा वर्ग को आरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

भाजपा ग्रामीण ने किया सरकार और संगठन का आभार व्यक्त

सिहोरा- प्रदेश में ओबीसी पिछड़ा वर्ग आरक्षण को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाये जा रहे भ्रामक प्रचार पर आज न्यायालय के फैसले से विराम लग गया। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार व आयोग के तथ्यों को स्वीकारते हुए नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव ओबीसी आरक्षण के साथ कराने का फैसला दिया है।यह फैसला प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा ओबीसी पिछड़ा वर्ग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से समाज के सभी वर्गों के प्रति सर्वस्पर्शी व समरसता का भाव रखती है।वहीं प्रदेश की भाजपा सरकार भी इसी संकल्प के साथ शासन की योजनाओं में भी सभी वर्गों का समावेशी हित पूर्ण हो,इस पर सतत कार्यशील रहती है। परन्तु तत्कालीन कमलनाथ सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग के साथ जो छलावा किया गया था। पर वर्तमान भाजपा सरकार के प्रयासों से आज न्यायालय के फैसले से ओबीसी वर्ग को उनका अधिकार प्राप्त होगा और आगामी निकाय व पंचायत चुनाव ओबीसी आरक्षण के साथ कराए जाएंगे। ओबीसी आरक्षण के साथ निकाय व पंचायत चुनाव क्रियान्वित कराए जाने पर प्रदेश भाजपा संगठन और प्रदेश भाजपा सरकार के प्रति भारतीय जनता पार्टी, जबलपुर ग्रामीण कोटि-कोटि आभार व्यक्त करती है। इस अवसर पर भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष रानू% तिवारी,प्रदेश मंत्री व सिहोरा विधायक श्रीमती नंदनी मरावी,पनागर विधायक इंदु तिवारी,पाटन विधायक अजय विश्नोई के साथ ही भाजपा ग्रामीण जिले के समस्त जिला,मोर्चा,विभाग प्रकोष्ठ एवं मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया।

गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही संबल योजना- विधायक

सिहोरा - नगर के स्वर्गीय अरुणाम घोष मेमोरियल स्टेडियम में मिशन नगरोदय कार्यक्रम अंतर्गत विकास कार्यों के भूमि पूजन एवं लोकार्पण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना हितग्राहियो को हितलाभ वितरण कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती नंदनी मरावी के मुख्य आतिथ्य में किया गया जिसमें एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण कार्यक्रम आहूत किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान आज 17 मई को नगर पालिका के स्थापना दिवस के रूप में नगर गौरव दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर शासन से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं अंतर्गत पीएमएवाई योजना में 237 हितग्राहियों को 129 लाख राशि, पीएम स्वनिधि योजना में पांच हितग्राहियो का 50 हजार की राशि, मुख्यमंत्री संबल योजना में 24 हितग्राहियों को 4800000 की राशि,राष्ट्रीय इंदिरा गांधी वृद्धावस्था एवं कल्याणी पेंशन अंतर्गत 10 हितग्राहियो को 6000 राशि, दिव्यांग पेंशन अंतर्गत 2 हितग्राहियों को 1200 की राशि, राष्ट्रीय परिवार सहायता अंतर्गत 2 हितग्राहियों को ?40000 की राशि,अंत्येष्टि सहायता अंतर्गत 3 हितग्राहियों को 9000 की राशि, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के एसटीपी घटक अंतर्गत 300 प्रशिक्षुओं को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण एवं मुख्यमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत 30 छात्रों को मूंग दाल का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नंदनी मरावी ने कहा कि नगर कस्बे ग्राम के साथ साथ आमजन को विकास की मुख्य धारा के साथ जोड़ने सरकार द्रण संकल्पित है।

अनेक हितग्राहियों को किया हितलाभ का वितरण

इस अवसर पर राजा मोर, सत्यप्रकाश खरे, परोहा, प्रशांत परोहा, शिशिर पांडे, राजेश दाहिया, माधव मिश्रा, अनुपम सराफ,प्रवीण कुररिया,ज्योति पटेल ,गौरादेवी विश्वकर्मा,विजय श्रीपाल, अभिषेक जैन,कृष्णा सरावगी,माधव मिश्रा, गौरादेवी विश्वकर्मा, ज्योति पटेल, विरेन्द्र पटेल, अशोक चौधरी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन अरविंद मिश्रा एवं आभार आभार प्रदर्शन श्रीमती जयश्री चौहान मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा किया गया।

मिशन नगरोदय के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की तैयारी मे सरकार

प्रदेश सरकार का मिशन नगरोदय कार्यक्रम सत्ता सरकार के लिए चुनावी टॉनिक साबित हो सकता है। जिस तरीके की तैयारियां इस आयोजन को लेकर की जा रही हैं उससे माना जा रहा है कि यह सब चुनावी वैतरणी आसानी से पार करने के लिए किया जा रहा उपक्रम है। हालांकि पूरी तरह से शासकीय लिफाफे में लिपटा यह आयोजन सरकारी दिख रहा है लेकिन इसके चुनावी मायने भी सबको समझ में आ रहे है।

अब जबकि नगरीय निकाय चुनाव सिर पर खड़े हैं ऐसे में मिशन नगरोदय कार्यक्रम में सरकार हितग्राहियों के लिए खुले मन से सरकारी खजाने का मुंह खोलने जा रही है और हितग्राहियों की भी बल्ले बल्ले हो रही है। कुल मिलाकर इसका असर आने वाले चुनावों में स्पष्ट दिखेगा।

67 वें वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय पुरस्कार में पांच दक्षता शील्ड प्राप्त कर गौरवान्वित हुआ पमरे

जबलपुर यश भारत। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड स्तर का 67 वें वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 के घोषित पुरस्कारों में शील्ड की घोषणा हुई। रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड स्तर का 67 वें वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 के घोषित पुरस्कारों में पश्चिम मध्य रेल को पाँच दक्षता शील्ड घोषित हुई हैं । जो की स्थापना उपरांत वर्ष 2003 से लेकर अब तक पश्चिम मध्य रेल को दूसरी बार सबसे अधिक रेलवे राष्ट्रीय पुरस्कार घोषित हुआ है।

रेल अधिकारी एवं कर्मचारियों में दौड़ी खुशी की लहर

इसके पहले वर्ष 2015 में भी पाँच दक्षता शील्ड प्राप्त कर चुका हैं। रेलवे बोर्ड स्तर की दक्षता शील्ड मिलने से पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक, सुधीर कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक शोभन चौधुरी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रमुख विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में सभी विभागों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य के चलते हुआ है। जिसके अंतर्गत पमरे को ओवरऑल दक्षता शील्ड एवं मैकेनिकल विभाग को व्यक्तिगत और इसके अतिरिक्त तीन विभाग को दक्षता शील्ड सयुंक्त रूप से घोषित हुआ है।

गोविन्द वल्लभ पंत शील्ड - पश्चिम मध्य रेल के सभी विभागों के द्वारा किये उत्कृष्ट कार्यो के आंकलन के आधार पर ओवरऑल शील्ड गोविन्द वल्लभ पंत शील्ड घोषित हुई है ।

*रोलिंग स्टॉक शील्ड

पश्चिम मध्य रेल के रोलिंग स्टॉक शील्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को व्यक्तिगत तौर पर घोषित। पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य मैकैनिकल इंजीनियर के नेतृत्व में मैकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किये गये रोलिंग स्टॉक से सम्बंधित प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के कारण घोषित हुआ है।

*व्यापक स्वास्थ देखभाल शील्ड

पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक के नेतृत्व में केन्द्रीय चिकित्सालय एवं स्वास्थ इकाइयों के चिकित्सा विभाग द्वारा कोविड -19 के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधा एवं शत-प्रतिशत टीकाकरण अभियान को सफल बनाया तथा अन्य सभी चिकित्सीय सुविधाओं को उपलब्ध कराके सराहनीय उत्कृष्ट कार्य किया गया । यह शील्ड पमरे के चिकित्सा विभाग को सयुंक्त रूप से घोषित हुई है ।

कार्मिक प्रबंधन शील्ड

पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी के नेतृत्व में कार्मिक विभाग द्वारा रेल कर्मचारियों को समय-समय पर सभी जानकारियों उपलब्ध कराके बेहतर प्रबंधन के साथ करते हुए पमरे के सभी कर्मचारियों को ऑनलाइन हर सुविधा को कर्यवान्वित किया गया पुरे भारतीय रेलवे में सभी कर्मचारियों का सर्विस रिकॉर्ड ऑनलाइन वेबसाईट (एचआरएमएस पोर्टल) पर अपलोड कर दिया गया । यह शील्ड पमरे के कार्मिक विभाग को सयुंक्त रूप से घोषित हुई है ।

बिक्री प्रबंधन शील्ड

पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य भण्डार प्रबंधक के नेतृत्व में भण्डार विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक बिक्री करके सराहनीय कार्य किया गया। यह शील्ड पमरे के भण्डार विभाग को सयुंक्त रूप से घोषित हुई है ।

रेलवे बोर्ड स्तर का पुरस्कार प्राप्त कर पश्चिम मध्य रेल को न केवल गौरवांवित किया बल्कि एक नया आयाम प्राप्त किया है। महाप्रबंधक ने जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के साथ-साथ सीआरडब्लूएस भोपाल एवं डब्ल्यूआरएस कोटा कारखानों के सभी विभागों को अच्छे कार्य करने के लिए बधाई दी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पश्चिम मध्य रेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्षोल्लास है ।

मझगवा क्षेत्र में हो रही अंधाधुंध अघोषित कटौती

सिहोरा। ग्रामीण क्षेत्रों में विधुत आपूर्ति मे हो रहे व्यवधान से किसानों के खेत में खड़ी मूंग उडद की फसल सूख रही है। किसानों का कहना है कि अघोषित विद्युत कटौती के कारण एक तो पर्याप्त बिजली मिलती नहीं और जब मिलती है तो गुणवत्ता हीन लो वोल्टेज होने के कारण वह खेत में पानी नहीं दे पा रहे हैं।ग्रामीण क्षेत्र में प्रात: 6 से 12 तक अघोषित विद्युत कटौती के चलते किसान समय से फसल की सिंचाई नहीं कर पा रहे। करीब 10 घंटे सप्लाई मिलने पर लो वोल्टेज की समस्या खड़ी हो जाती। यदि यही हाल रहा तो इस बार मूंग की लागत भी नहीं निकल पाएगी। मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस जबलपुर ग्रामीण के जिला उपाध्यक्ष मोहन मिश्रा के नेतृत्व में किसानों ने मुख्य अभियंता मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को ज्ञापन सौंपाकर विद्युत कटौती से उत्पन्न समस्या के निराकरण की मांग की है ज्ञापन के मुताबिक मझगवां फीडर के अंतर्गत कुम्ही,सिंघुली, भटुली, दिवरी, कचनारी, जुनवानी, कुकर्रा, महगवां, हरदी सहित अन्य कस्बा क्षेत्र में अघोषित विद्युत कटौती के चलते उमस भरी गर्मी में आम जनमानस का हाल काफी बुरा है।

कांग्रेस ने वितरण कम्पनी को सौपा ज्ञापन

उस पर लो वोल्टेज की समस्या के कारण खेतों में खड़ी मूंग की फसल सूखने की कगार पर है।मझगवां क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में हो रही अघोषित बिजली कटौती एवं लो बोल्टेज की समस्या के निराकरण की मांग कांग्रेस जनों द्वारा की गई है यदि समय रहते विद्युत व्यवस्था मे सुधार नही हुआ तो उग्र आंदोलन होगा जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन एवं बिजली विभाग की होगी। ज्ञापन के दौरान पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, पवन सोनी, सौरभ रजक,रोहित पटेल,जीतू पटेल आदि उपस्थित रहे ।

अप डाउन करने वालों को मेल, एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा की सुविधा शीघ्र मिलेगी

जबलपुर यश भारत। जबलपुर मंडल से चलने वाली सभी गाड़ियों में अप डाउन करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा मंथली सीजन टिकट एमएसटी की सुविधा शीघ्र ही बहाल होने जा रही है. इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन ने बताया कि रेलवे मुख्यालय ने पत्र जारी करके सूचित किया है कि कोविड-19 के पूर्व जिन गाड़ियों में सामान्य श्रेणी के डिब्बों में एमएसटी तथा त्री मासिक सीजन टिकट क्यू. एस. टी. की सुविधा दी गई थी उन सभी मेल एक्सप्रेस गाड़ियों के सामान्य श्रेणी के कोचों में कोविड-19 के उपरांत आगामी 29 जून 2022 से यह सुविधा पुन: प्रारंभ कर दी जाएगी। श्री रंजन ने बताया कि पूर्व में सामान्य श्रेणी के कोच में सीट का आरक्षण का प्रावधान था जिसकी अवधि 29 जून को समाप्त होने जा रही है अत: मंडल में भी 29 जून के उपरांत अनारक्षित कोचों में एम.एस.टी. एवं क्यू. एस.टी. टिकट धारा यात्रा करने के पात्र होंगे। इस सुविधा के बहाल होने से रेलवे से अप डाउन करने वाले रेल यात्रियों को लाभ मिलेगा।

जबलपुर रेल मंडल ने लक्ष्य से अधिक आय अर्जित करने का बनाया रिकार्ड

जबलपुर यश भारत। नये वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रारंभ में ही रेलवे का वाणिज्य विभाग आय के निर्धारित लक्ष्य से काफी आगे निकल कर आय अर्जित करने के रिकार्ड बना रहा है. नए वित्तीय वर्ष के प्रारंभ होते ही पहले अप्रेल माह में ही विभाग ने निर्धारित लक्ष्य 310 करोड़ रूपये की आय के स्थान पर 338 करोड़ रूपये की आय अर्जित करके लगभग 09 प्रतिशत अधिक आय अर्जित करने का रिकार्ड बनाया है. इस सम्बन्ध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने बताया कि वाणिज्य विभाग ने इस एक माह में माल भाड़े से 274 करोड़ रूपये की आय अर्जित की है जो कि लक्ष्य से 15 प्रतिशत अधिक है. इसी तरह गत वर्ष की तुलना में यात्री आय में 287 प्रतिशत अधिक अर्जित करके 58 करोड़ रूपये तथा टिकिट चेकिंग में अनियमित यात्रियों को पकड़ कर उनसे 06.18 करोड़ रूपये की आय अर्जित की गयी है. उल्लेखनीय है कि गत वर्ष वाणिज्य विभाग ने अप्रेल माह में 228 करोड़ रूपये अर्जित किये थे जबकि इस वर्षयह राशी 338 करोड़रूपये जो कि गत वर्ष से 110 करोड़ रूपये अधिक है.

अप्रैल माह में 338 करोड़ आय अर्जित की

वाणिज्य विभाग ने उठाए प्रभावी कदम*

मंडल रेल प्रबंधक संजय विश्वास एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मुकुल शरण माथुर के मार्गदर्शन में नए वित्तीय वर्ष के प्रारंभ होने के साथ ही वाणिज्य विभाग ने अधिक आय अर्जित करने के निर्देश पर प्रभावी कदम उठाते हुए अपने लक्ष्य को अर्जित करने के लिए निरंतर पहल की है. श्री रंजन ने बताया कि वाणिज्य विभाग द्वारा रेलवे आय अर्जित करने के साथ ही स्टेशन पर यात्री सुविधायो, साफ सफाई, शुद्ध पेय जल, आदि के कार्य भी प्राथमिकता के साथ पूरे किये जा रहे है जिससे कि यात्री सुविधा के साथ अपनी यात्रा मंडल में कर रहे है/

नवाचार के साथ खेती से एक एकड़ में 3, 4 लाख तक की आमदनी

जबलपुर। कृषि कालोनी, अधारताल,जबलपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के अमेरिकन गेस्ट हाउस में खेती के नवाचार विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। उज्जैन से पधारे प्रगतिशील कृषक अश्वनी सिंह चौहान, पू.बोर्ड मेंबर कृषि विश्वविद्यालय, जिन्हें नवाचार के लिए अनेक राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है, ने नवयुवक किसान साथियों को पारम्परिक खेती के साथ खेती की अन्य विधाओं को अपनाने की सलाह देते हुये कहा कि खेती में आमदनी की अपार संभावनाएं हैं, यदि नवाचार के साथ खेती की जाए तो एक एकड़ में 3, 4 लाख तक की आमदनी ली जा सकती है। इस हेतु नवयुवको को दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ आगे आने की जरूरत है। उन्होंने ऐसे अनेक उदाहरण प्रस्तुत किये जहां नवयुवक बड़ी- बड़ी नौकरी छोड़ कर खेती को अपना रहे हैं। उनके सहयोगी, मालवा ग्रीन्स कंपनी के शिपेंद्र सिंह सेंगर ने भी किसानों को नवाचार करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

कुंडम तहसील के सुनावल गांव के कृषक अमित शर्मा ने परिचर्चा में भाग लेते हुए बताया की वे इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है, अमेरिका में एक बड़ी कंपनी में सर्विस करते थे, अच्छी सेलरी छोड़कर उन्होंने खेती को अपना व्यवसाय बनाया, वे 45 एकड़ में ड्रिप सिंचाई, से सब्जी की खेती करते हैं, सिंचाई, खाद, दवाई सब कुछ ऑटोमेटिक सिस्टम से नियंत्रित होता है, उन्होंने बताया की उन्हें 2, 3 लाख प्रति एकड़ शुद्ध आय हो जाती है। उन्होंने कृषक भाइयो को अपना खेत देखने आमंत्रित किया। तथा आश्वस्त किया की उनका मार्गदर्शन सदैव इच्छुक किसान भाइयो के साथ रहेगा।

उपस्थित प्रगतिशील कृषक बलदेव होलानी ने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि चरगवां रोड स्थित उनके पथरीली जमीन में वे कैसे खेतीं से लाभ ले रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालय के बोर्ड मेंबर, कृषि सलाहकार, कृषक समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं किसान सेवा सेना के संयोजक डॉ ब्रजेश अर्जरिया ने बताया कि जबलपुर में नवाचार की असीम संभावनाएं है, नवयुवको को केवल अपनी सोच और दृष्टि कोंड बदलने की आवश्यकता है। परिचर्चा में भारत कृषक समाज के. के के अग्रवाल, रूपेंद्र पटेल , सुभाष चंद्रा, कृषक सेवक जितेंद्र देसी, देवराज त्रिपाठी, अमित अग्रवाल, डॉ आर एम पटेल, जयप्रकाश पटेल,देवेन्द्र पटेल, विवेक सोनी, रामदीन पटेल, श्रीकांत महेरे, हिमांशु जी आदि ने भाग लिया।

रेल कोच रेंस्टारेंट में विजलेंस का छापा, ज्यादा मिली जमीन

जबलपुर, । मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म छह के बाहर बने कोच रेस्टारेंट पर विजलेंस ने छापा मारा। कार्रवाई के आदेश सीधे रेलवे बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेलवे की विजलेंस को मिले। यही वजह थी कि विजलेंस के निरीक्षक के साथ आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच की। इस दौरान कोच रेंस्टारेंट को रेलवे द्वारा दी गई जमीन की नापजोक की, जिसमें अतिरिक्त जमीन पर संचालक ने कब्जा किया था। इसको लेकर विजलेंस ने संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच अधिकारियों ने कोच रेस्टारेंट की चौपाटी से लेकर किचन तक की जांच की। कार्रवाई के दौरान कोच रेस्टारेंट की ड्राइंग का मिलान जमीन ने किया गया। सूत्रों के मुताबिक कागजों पर जो ड्राइंग बनाई थी, उसका एरिया बढ़ा लिया गया।

भाजयुमों की विधानसभा स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

सिहोरा- भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला ग्रामीण के तत्वावधान में यूथ कनेक्ट अभियान के अंतर्गत सिहोरा विधानसभा स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन नगर पालिका के पीछे वार्ड क्रमांक दस अटल भवन नंदनी मरावी विधायक सिहोरा के मुख्यातिथ्य में किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा की इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों को मंच मिलता है और उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलता है। अनेक प्रतियोगियों ने अपने भाषण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,महामंत्री राजेश दाहिया,गौरादेवी विश्वकर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक परौहा ,शिशिर पांडे, माधव मिश्रा,अनुपम सराफ,प्रशांत परौहा , विजय श्रीपाल, साधना साहू, रश्मि सेठी,युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष रचित चौरसिया,जिला उपाध्यक्ष आयुष सेठी,जिला महामंत्री पलाश दुबे ,नगर उपाध्यक्ष अमन गुप्ता ,महामंत्री गौतम सहजवानी, अर्पित नौगरहिया सहित अनेक आदि युवा उपस्थित थे।

बेलखाडू चौराहे पर पाइप डालने खोदी सड़क और बीच रोड पर लगा दिया मिट्टी का ढेर

बेलखाडू / बेलखाडू चौराहे पर करीब बीस दिन पहले पाइप लाइन डालने के लिए खुदाई की गई लेकिन अब तक मरम्मत नहीं हुई है। बेलखाडू से पनागर जाने वाले मार्ग पर जहां से वाहनों को खड़े होने में दिक्कत हो रही है। वही दूसरी तरफ वाहनों के गुजरने मैं परेशानी जा रही व आए दिन बेलखाडू चौराहे पर जाम की स्थिति बनती है एवं दुकानदारो को धूल उडने से परेशानी जा रही है पिछले करीब 20 दिन पहले खुदाई का काम हुआ है। यहां पाइप लाइन डालने और मुख्य लाइन से इसे जोड़ने हेतु गड्ढा खोदा और बीच रोड पर मिट्टी का ढेर लगा दिया गया बेलखाडू चौराहा क्षेत्र का सबसे व्यस्त चौराहा है, इसके बावजूद यहां सडक की मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पनागर जाने वाले मार्ग पर जहां खुदाई हुई है, वहां बेलखाडू से पनागर जाने वाले वाहन खडे रहते हैं लेकिन गड्ढा खोदने से और मिट्टी का ढेर होने से वाहनों को खडे होने में दिक्कत हो रही है। वहीं दूसरी ओर लोगों का कहना है कि मई माह आधा बीत गया है, कुछ दिन बाद बारिश का मौसम आने वाला है और हालात यही रहे तो ऐसे में यहां जमा मिट्टी कीचड बन जाएगी और आवागमन करना मुश्किल हो जाएगा। लोगों ने जल्द मिट्टी का ढेर हटाकर रोड की मरम्मत करने की मांग की है।

बरगी बांध में मां-बेटे की बनी जल समाधि

जबलपुर, यशभारत। बरगी बांध के सामने पुलघाट में सीढ़ियों पर नहाते समय आज गुरुवार को मां और उसके 9 वर्षीय बेटे की डूबने से दर्दनाक मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर, पड़ताल कर रही है। तो वहीं घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी अनुसार 32 वर्षीय महिला क्रांति बाई व 9 वर्षीय पुत्र मोहित पटेल अचानक पैर फिसलने से पानी मे गिर गए और थोड़ी देर बाद ही डूबने से उनकी मौत हो गयी । दोनों बरगी नगर के निवासी लछमन पटेल के परिवार से है , व नहाने के लिए पुल घाट आये थे , खबर मिलते ही बरगी थाने से पुलिस बल पहुंचा और मां व बेटे के उतराते हुए शवों को रेस्क्यू कर, कब्जे में लेते हुए पीएम के भेज दिया है। अब पूरी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एमेजॉन ने स्थानीय स्टोर को डिजिटल दुकान में बदलने के लिए स्मार्ट कॉमर्स लॉन्च किया

एजेंसी। अपने प्रमुख वार्षिक शिखर सम्मेलन एमेजॉन संभव में एमेजॉन इंडिया ने स्मार्ट कॉमर्स के शुभारंभ की घोषणा की जो कि स्थानीय स्टोर को डिजिटल दुकान में बदलने के लिए एक नई पहल हैए और 2025 तक 1 करोड़ छोटे व्यवसायों को डिजिटाइज़ करने की अपनी प्रतिज्ञा को तेजी से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। एमेजॉन डॉट इनका उपयोग कर 1.5 लाख से अधिक स्थानीय स्टोर पहले से ही ऑनलाइन बिक्री कर रहे हैं। स्मार्ट कॉमर्स के साथ, स्टोर अब और आगे बढ़ सकते हैं और अपने ऑफ़लाइन संचालन को डिजिटाइज़ कर सकते हैं, अपने स्टोर पर आने वाले ग्राहकों को इन.स्टोर खरीदारी अनुभव प्रदान कर सकते हैंए और सीधे ग्राहकों की सेवा के लिए अपने स्वयं के ऑनलाइन स्टोर फ्रंट बना सकते हैं। किसी भी आकार के स्टोर सीधे अपने स्टोर में या सीधे अपने ऑनलाइन स्टोर फ्रंट के माध्यम सेए या एमेजॉन डॉट इन परए अब अपने ग्राहकों को एक विश्वसनीय और भरोसेमंद अनुभव प्रदान करने के लिए एमेजॉन के सर्वश्रेष्ठ शॉपिंग इनोवेशन, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल पेमेंट आदि का लाभ उठा सकते हैं।

शाहिद कपूर और राणा डग्गूबती ने स्ट्राँग टीथ के महत्व के बारे में जागरुकता बढाने के लिए कोलगेट के साथ गठबंधन किया

एजेंसी। ओरल केयर में मार्केट लीडरए कोलगेट.पामोलिव ;इंडिया लिमिटेड ने अपने लेटेस्ट कैम्पेनए ष्दांत स्ट्राँग तो मैं स्ट्राँगष् के साथ भारत के सबसे बडे टूथपेस्ट ब्रांड. कोलगेट स्ट्राँग टीथ की नई पहचान प्रस्तुत की है।

इस नए कैम्पेन के बारे में श्री अरविंद चिंतामणि, वीपी, मार्केटिंग कोलगेट .पामोलिव इंडिया ने कहाए ष्हम भारतीय खाने को अच्छी तरह से चबाने के महत्व को अच्छी तरह जानते हैं और बचपन में हमारे माता.पिता निगलने से पहले खाने को 36 बार चबाने के बारे में हमें कहते रहे हैं। लेकिन फ़िर भी लोग इस बात को अक्सर नजरंदाज कर जाते हैं कि पाचन की क्रिया के सबसे पहले अंग हमारे दांत होते हैं और खाने से सर्वश्रेष्ठ पोषण लेने के लिए दांतों का मजबूत होना बहुत जरूरी है।

ब्रांड ने स्ट्राँग टीथ और पोषण के बीच संबंध पर रोशनी डालते हुए बताया है कि खाने को ठीक से चबाने में दांत की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका हैए जिससे पाचन क्रिया बेहतर बनती है और शरीर पोषक तत्वों को बेहतर रूप से ग्रहण कर पाता है।

इस कैम्पेन के माध्यम से यह ब्रांड पहली बाद देश के चहेतेए शाहिद कपूर और राणा डग्गूबती को लेकर आया हैए जो नए युग के डैडी के किरदार में अपने बच्चे के स्वास्थ्य के प्रति संलग्न दिखाई देंगे। इस कैम्पेन में वो बता रहे हैं कि उनकी बेटियों की शक्ति उनके स्ट्राँग टीथ के कारण हैए क्योंकि कोलगेट स्ट्राँग टीथ टूथपेस्ट दांतों में नैचुरल कैल्शियम की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

नए कोलगेट स्ट्राँग टीथ की आधुनिक पैकेजिंग में एक युवा लडकी शक्ति एवं स्ट्राँग टीथ के प्रतीक के रूप में दिखाई देती है।

यह ब्रांड 8 दशकों से ज्यादा समय से सर्वश्रेष्ठ उत्पादों द्वारा ग्राहकों की विकसित होती जरूरतों को पूरा करने के लिए इनोवेशन करता आ रहा है। नया सीडीसी स्ट्राँग टीथ आपकी स्माईल को सेहतमंद व स्ट्राँग बनाए रखने का आसान तरीका है। यह टूथपेस्ट ऑनलाईन और ऑफ़लाईन स्टोर्स पर 100 ग्राम के पैक में 63 रु में 200 ग्राम के पैक में 110 रु में और 500 ग्राम के पैक में 253 रु में मिलेगा।

एविन लुइस ने पकड़ा सीजन का सबसे बेहतरीन कैच

डिकॉक के शतक पर पत्नी शाशा का बाहुबली जश्न

आईपीएल 2022 में बुधवार की शाम कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से था। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए कोलकाता को हर हाल में यह मैच जीतना था, लेकिन कोलकाता की टीम दो रन से यह मुकाबला हार गई। इस हार के साथ ही आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स का सफर खत्म हो गया। रिंकू सिंह से लेकर कप्तान अय्यर और नीतीश राणा ने अपनी टीम को जिताने की बहुत कोशिश की, लेकिन एविन लुईस के शानदार कैच ने कोलकाता की हार तय कर दी। इस मैच में लखनऊ के क्विंटन डिकॉक ने शतक लगाया तो उनकी पत्नी शाशा डिकॉक ने बाहुबली अंदाज में बेटी को उठाकर जश्न मनाया। वहीं, डिकॉक ने 140 रन बनाने के बाद शानदार कैच भी पकड़ा। अंत में रिंकू सिंह के आउट होने के बाद दुखी नजर आए। यहां हम मैच के ऐसे ही रोमांचक पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं।

क्विंटन डिकॉक ने इस मैच में अपने आईपीएल करियर की सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने 70 गेंद में 140 रन बनाए। उनके शतक के बाद उनकी पत्नी शाशा डिकॉक बेहद खुश नजर आईं। शाशा ने बेटी के साथ डिकॉक के शतक का जमकर जश्न मनाया। क्विंटन डिकॉक के शतक के बाद पत्नी शाशा ने अपनी बेटी को हाथ में उठाकर बाहुबली अंदाज में जश्न मनाया। शाशा और डिकॉक लगभग चार महीने पहले ही माता-पिता बने हैं। डिकॉक ने इस मैच में अपने आईपीएल करियर की सबसे बड़ी पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी देखकर शाशा बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने जिस तरह से अपनी बेटी को ऊपर उठाया, उससे दर्शकों को बाहुबली फिल्म याद आ गई। कोलकाता के खिलाफ शतक कैच पकड़कर अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। कोलकाता की पारी के पहले ही ओवर में डिकॉक ने मोहिसन खान की गेंद पर बेहतरीन डाइव लगाते हुए कैच पकड़ा और वेंकटेश अय्यर को बाहर भेज दिया।

क्विंटन डिकॉक के अलावा एविन लुइस ने भी इस मैच में शानदार कैच पकड़ा। उन्होंने कोलकाता की पारी के 19.5 ओवर में स्टोइनिस की गेंद पर रिंकू सिंह का कैच पकड़ा। इसी कैच की बदौलत लुइस ने मैच पलट दिया। यह इस सीजन का सबसे बेहतरीन कैच भी हो सकता है। लुइस ने अंदर भागते हुए डाइव लगाई और एक हाथ से

शानदार कैच पकड़ा। कोलकाता के लिए रिंकू सिंह ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। रिंकू ने 15 गेंद में 40 रन की पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को मैच नहीं जिता सके। उनकी पारी में चार छक्के और दो चौके शामिल थे। कोलकाता को आखिरी दो गेंदों में जीत के लिए ती रन चाहिए थे। ऐसे में लुइस ने शानदार कैच पकड़कर रिंकू को आउट कर दिया। इसके बाद रिंकू निराश होकर पवेलियन लौट गए। मैच के बाद लोगों ने रिंकू की बहुत तारीफ की। लखनऊ के लिए कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक ने 210 रन की नाबाद साझेदारी की। दोनों इस मैच में नाबाद रहे। इस दौरान डिकॉक ने शतक और राहुल ने अर्धशतक लगाया। आईपीएल में यह पहला मौका था, जब किसी टीम के सलामी बल्लेबाज पूरे 20 ओवर खेलकर वापस लौटे हों। वहीं, आईपीएल में यह पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी थी, जबकि आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी थी। क्विंटन डिकॉक ने इस मैच में 70 गेंद में श्रेयस अय्यर ने भी कोलकाता के लिए कप्तानी पारी खेली और 29 गेंद में 50 रन बनाए। हालांकि, वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके, लेकिन श्रेयस ने भी दो विकेट गिरने के बाद तेजी से रन बनाए और पहले नीतीश फिर बिलिंग्स के साथ अर्धशतकीय साझेदारी कर मैच में अपनी टीम की वापसी कराई। अंत में रिंकू सिंह ने कोलकाता के लिए 15 गेंद में 40 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। रिंकू ने दो चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने सुनील नरेन के साथ मिलकर 19 गेंद में 58 रन की साझेदारी की। स्टोइनिस ने मैच की आखिरी दे गेंदों में विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर का विकेट भी निकाला था। आखिरी ओवर की शुरुआती चार गेंदों में स्टोइनिस ने 18 रन दे दिए थे, लेकिन अगली दो गेंदों में दो विकेट लेकर टीम को मैच जिता दिया। अब अगले मैच में उनके पास हैट्रिक पूरी करने का मौका रहेगा।

डिकॉक और राहुल ने 20 ओवर तक कोलकाता को धोया

तोड़ डाले आईपीएल के कई बड़े रिकॉर्ड

लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान केएल राहुल और विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने बुधवार (18 मई) को कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम को बुरी तरह धो दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 210 रनों की साझेदारी की। डिकॉक शतक तो राहुल अर्धशतक लगाकर नाबाद रहे। डिकॉक 140 और राहुल 68 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान दोनों ने मिलकर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े। आईपीएल इतिहास में पहली बार किसी टीम के 20 ओवर में एक भी विकेट नहीं गिरे। डिकॉक ने 70 गेंदों में 10 चौके और 10 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। राहुल ने 51 गेंदों की पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 133.33 का रहा। आईपीएल इतिहास में पहले विकेट के लिए यह सबसे बड़ी साझेदारी है। आखिरी पांच ओवरों में दोनों ने मिलकर 71 रन बनाए।

टी20 में ओपनिंग विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी

टी20 क्रिकेट में ओपनिंग विकेट के लिए यह दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। पहले स्थान पर जिब्राल्टर के बालाजी पाई और लुईस ब्रूस हैं। दोनों ने मिलकर बुल्गारिया के खिलाफ माल्टा की राजधानी मार्सा में 13 मई 2022 को टी20 इंटरनेशनल मैच में नाबाद 213 रनों की साझेदारी की थी।

गेल और मैकुलम से पीछे रह गए डिकॉक

डिकॉक द्वारा खेली 140 रन की पारी किसी बल्लेबाज का आईपीएल इतिहास में तीसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इस मामले में क्रिस गेल शीर्ष पर हैं। गेल ने बेंगलुरु में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 2013 में नाबाद 175 रन बनाए थे। उनके बाद ब्रैंडन मैकुलम दूसरे स्थान पर हैं। 2008 में मैकुलम ने कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ बेंगलुरु में नाबाद 158 रन ठोके थे।

आईपीएल में किसी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी

राहुल और डिकॉक ने आईपीएल में किसी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में शीर्ष दो में कोहली और डिविलियर्स की जोड़ी है। दोनों ने 2016 में बेंगलुरु में गुजरात लायंस के खिलाफ आरसीबी की ओर से 229 रन जोड़े थे। इससे पहले 2015 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 215 रन जोड़े थे।

केएल राहुल ने रचा इतिहास

विराट कोहली और धवन के बराबर भी पहुंचे

लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान केएल राहुल ने आईपीएल में एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में 500 रन पूरे कर लिए। उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ बुधवार (18 मई) को टूर्नामेंट के 66वें मैच के दौरान इस आंकड़े को पार किया। राहुल ने पांचवीं बार एक सीजन में 500 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। राहुल लगातार पांच सीजन में ऐसा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। एक सीजन में सबसे ज्यादा 500 या उससे ज्यादा रन बनाने के मामले में दिल्ली कैपिटल्स के विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर शीर्ष पर हैं। उन्होंने छह बार ऐसा किया है। राहुल ने इस मामले में विराट कोहली और शिखर धवन की बराबरी कर ली है। कोहली और धवन ने भी पांच अलग-अलग सीजन में 500 या उससे अधिक रन बनाए हैं। राहुल ने 2018 में 14 मैच खेले थे। वह पंजाब किंग्स के लिए उनका पहला सीजन था। तब उन्होंने 54.19 की औसत और 158.41 की स्ट्राइक रेट से 659 रन बनाए थे। तब छह अर्धशतक लगाए थे। 2019 में राहुल ने 14 मैचों में 53.90 की औसत से 593 रन ठोके थे। उन्होंने एक शतक और छह अर्धशतक लगाया था। इसके बाद 2020 में उनके बल्ले से 670 रन निकले। राहुल का औसत 55.83 का रहा था। उन्होंने एक शतकीय और पांच अर्धशतकीय पारी खेली थी। 2021 में उन्होंने 13 मैचों में 626 रन बनाए थे। उनका औसत 62.60 और स्ट्राइक रेट 138.80 का रहा था। कोलकाता के खिलाफ मैच की बात करें तो केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। लखनऊ ने 20 ओवर में बिना विकेट गंवाए 210 रन बना दिए। क्विंटन डिकॉक ने तूफानी पारी खेलते हुए 140 रन ठोक दिए। उन्होंने 70 गेंदों में 10 चौके और 10 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। राहुल ने 51 गेंद पर 68 रन बनाए। उन्होंने तीन चौके और चार छक्के लगाए। राहुल का स्ट्राइक रेट 133.33 का रहा।

इंग्लैंड दौरे के लिए जडेजा-सूर्यकुमार का चुना जाना तय

क्या इस बार यो-यो टेस्ट पास कर पाएंगे राहुल तेवतिया?

भारतीय टीम जून में 15 या 16 तारीख को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होगी। टीम इंडिया को वहां 24 से 27 जून तक पहले लिसेस्टरशायर के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलना है। उसके बाद एक से पांच जुलाई तक बर्मिंघम में टेस्ट मैच होगा। फिर तीन टी20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। इस अहम सीरीज से पहले टीम इंडिया के कई बड़े खिलाड़ी चोटिल हैं। इस लिस्ट में रवींद्र जडेजा, सूर्यकुमार यादव और दीपक चाहर मुख्य हैं।

टीम इंडिया के लिए खुशखबरी यह है कि जडेजा और सूर्यकुमार इंग्लैंड दौरे के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। दोनों दौरे से पहले फिट हो जाएंगे। ऐसे में दोनों का इंग्लैंड जाने के लिए टीम इंडिया में चुना जाना तय है। वहीं, दीपक चाहर को अभी बाहर ही बैठना पड़ सकता है। वो पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं और उन्हें दो महीनों तक पेशेवर क्रिकेट से दूर रहना होगा। जडेजा, सूर्यकुमार और दीपक जल्द ही नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) पहुंचेंगे। वहां पर तीनों का फिटनेस टेस्ट होगा। उसके बाद ही इंग्लैंड दौरे के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए नहीं चुना जाएगा। अगर जडेजा और सूर्यकुमार पूरी तरह फिट होते हैं तो इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाएंगे। अगर पूरी तरह फिट नहीं भी होते हैं तो दोनों को टीम के साथ भेजा जाएगा। फिर जडेजा और सूर्यकुमार इंग्लैंड में ही रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। दीपक को पीठ में चोट लगी थी। इस कारण वो आईपीएल में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने अपना काफी समय एनसीए में बिताया। जडेजा को पसली में चोट लगी थी। वहीं, सूर्यकुमार मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हैं। इन तीनों के अलावा अजिंक्य रहाणे हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण आईपीएल से बाहर हुए। वहीं, पृथ्वी शॉ टाइफाइड से पीड़ित होने के बाद फिट नहीं हैं। पृथ्वी शॉ पिछली बार यो-यो टेस्ट में फेल हो गए थे। इस टेस्ट में फेल होने वाले पृथ्वी इकलौते खिलाड़ी नहीं हैं। वरुण चक्रवर्ती और राहुल तेवतिया भी यो-यो टेस्ट में फेल हो चुके हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद तेवतिया को फिटनेस टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। अगर यो-यो टेस्ट में इस बार गुजरात टाइटंस का यह ऑलराउंडर पास होता है तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में चुना जाएगा। टी नटराजन और वॉशिंगटन सुंदर ने चोट के बाद वापसी की है। दोनों को फिटनेस टेस्ट के लिए आईपीएल के बाद एनसीए जाना होगा। सुंदर का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए चुना जाना मुश्किल है। वहीं, नटराजन की वापसी करीब-करीब तय है।

टेस्ट सीरीज में भारत 2-1 से आगे

बर्मिंघम में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां मुकाबला एक से पांच जुलाई तक खेला जाएगा। पिछले साल अगस्त-सितंबर में टीम इंडिया ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली थी। कोरोनावायरस के कारण पांचवें टेस्ट को टाल दिया गया था।

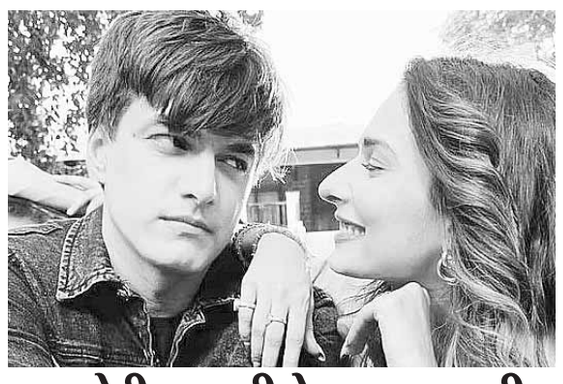

अनेरी वजानी के साथ मस्ती करते नजर आए मोहसिन खान

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

टेलीविजन का मशहूर धारावाहिक शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम अभिनेता मोहसिन खान बीते कई दिनों से टीवी एक्ट्रेस अनेरी वजानी के साथ दिखाई दे रहे हैं। सामने आ रही खबरों के मुताबिक दोनों अपने एक अपकमिंग शो की शूटिंग कर रहे हैं। यह शो जल्द ही टीवी पर ऑन एयर होने वाला है। हाल ही में दोनों की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। अपने इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग खत्म होने के बाद भी दोनों कलाकार साथ में मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को अभिनेता मोहसिन खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेता कैप्शन में लिखा, स्वाइप करते रहेंज..लास्ट तस्वीर तक।

शैलेश लोढ़ा के शो छोड़ने की खबरों के बीच वायरल हुआ पोस्ट

कहा- प्लीज सर आप ऐसा क्यों कर रहे हैं...

नई दिल्ली। टीवी के फेमस कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा बीते 14 सालों से दर्शकों को न सिर्फ खूब मनोरंजन किया है बल्कि इस टीआरपी लिस्ट में हमेशा ही सबसे आगे रहता है। इस शो को लेकर आलम तो ये है कि सालों से इसमें काम कर रहे कलाकारों को दर्शक उनके असली नाम से नहीं बल्कि रील नेम से जानते हैं। फिर चाहे वो जेठालाल, पोपटलाल, आत्माराम तुकाराम भिड़े, दया, अंजलि या फिर तारक मेहता हों। वहीं फैंस शो से जुड़े हर कलाकार के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहते हैं। वहीं शो को लेकर कुछ बीते कुछ वक्त से लगातार नई अपडेट्स सामने आ रही हैं। हाल ही खबर आई थी कि शो में दमदार कैरेक्टर प्ले करने वाले जेठालाल यानी शैलेश लोढ़ा तारक मेहता को अलविदा कहने वाले हैं। हालांकि शैलेश लोढ़ा ने अभी तक इस बात पर कंफर्मेशन नहीं दी है। इसी बीच शैलेश का एक पोस्ट वायरल हो रहा है।

शैलेश लोढ़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। शैलेश का ये पोस्ट फैंस को काफी हैरान कर रहा है। इस पोस्ट में शैलेश ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। वहीं इस तस्वीर से कहीं ज्यादा इसका कैप्शन लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। शैलेश ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, हां मजबूत से मजबूत लोहा टूट जाता है कई झूठे इकठ्ठे हों, तो सच्चा टूट जाता है। इस पोस्ट पर लगातार फैंस के ढेर सारे रिएक्शन आ रहे हैं। फैंस कमेंट कर शैलेश से पूछ रहे हैं कि क्या वह शो छोड़ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, प्रिय लोढ़ा जी को मेरा नमस्कार... अभी खबर मिली कि आप तारक मेहता का उल्टा चश्मा छोड़ रहें ?.....क्यों सर... आप जैसा मंझा हुआ कलाकार मैंने अपने जीवन काल मे नही देखा.... आप इस विषय पर पुनः विचार करे। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, सर प्लीज ये शो मत छोड़िए।

कंगना रनोट या कार्तिक आर्यन

पहले दिन कौन पड़ेगा किसपर भारी?

नई दिल्ली। बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनोट पूरे जोर शोर के साथ अपनी फिल्म धाकड़ के प्रमोशन में लगी हैं। टीवी शो से लेकर भगवान के द्वार तक ये धाकड़ एक्ट्रेस कोई भी ऑप्शन छोड़ नहीं रही। वहीं दूसरी तरफ 20 मई को रिलीज हो रही धाकड़ की टक्कर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 से है। जहां कंगना रनोट की फिल्म में एक्शन और सस्पेंस है तो वहीं भूल भुलैया 2 में हॉरर और कॉमेडी है। अब ये देखना दिलचस्प होगा की इन दोनों में कौन किस पर भारी पड़ता है।

20 मई को रिलीज होगी धाकड़ और भूल भुलैया 2

इस साल विवेक अग्निहोत्री की %द कश्मीर फाइल्स% और संजय लीला भंसाली की फिल्म %गंगूबाई काठियावाड़ी% को छोड़कर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली बॉलीवुड की सभी फिल्मों ने मुंह की खाई है। बात चाहे बच्चन पांडे की हो, रनवे 34 की या फिर हीरोपंती 2 की, कमाई के मामले में इन सभी फिल्मों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। शायद इसे ही देखकर कंगना रनोट और कार्तिक आर्यन दोनों ही खौफजदा हैं और अपनी फिल्म का हर संभव प्रमोशन कर रहे हैं।

कौन मारेगा बाजी

दरअसल, कंगना का डर वाजिब भी है आजकल साउथ सिनेमा का दबदबा है और पिछले 35 दिनों से केजीएफ चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा कायम रखे हुए है। पुष्पा, आरआरआर और केजीएफ 2 के आगे लगभग सारी हिन्दी फिल्मों ने घुटने टेक दिए हैं। पर

राहत की बात ये है कि 20 मई को रिलीज हो रही सबसे बड़ी दो फिल्में धाकड़ और भूल भुलैया 2 ही हैं, जिन्हें एडवांस बुकिंग में अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

ऐसा रहेगा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

माना जा रहा है कि धाकड़ और भूल भुलैया 2 पहले दिन 15 करोड़ की ओपनिंग कर सकते हैं। फिलहाल तो होली के दिन रिलीज हुई बच्चन पांडे ने हिन्दी फिल्मों में अब तक की सबसे अच्छी 13.25 करोड़ की ओपनिंग की है। ट्रेंड एनालिस्ट मान रहे हैं कि एडवांस बुकिंग को देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि इन दोनों ही फिल्मों को लेकर दर्शकों में खासा क्रेज है और ये आराम से 15 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती हैं।

अच्छे शिक्षक का चयन प्रतियोगी परीक्षा में सिलेक्शन की गारंटी

प्राइम टाइम विद आशीष शुक्ला में इस बार देखें जबलपुर जिले में नीटऔर जे ई ई की परीक्षा की तैयारी करवाने वाले जाने-माने डॉक्टर व शिक्षक डॉक्टर संजय मिश्रा और डा. प्रदीप उप्पल से विशेष चर्चा। जिसमें शिक्षा के व्यवसायीकरण और बच्चों के बदलते रुझान को लेकर महत्वपूर्ण बातें सामने आई है। जिसका प्रसारण यश भारत के अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और केवल न्यूज़ नेटवर्क पर किया जाएगा। प्रस्तुत है परिचर्चा के कुछ मुख्य अंश।

वीडियो देखने के लिए यश भारत फेसबुक पर जाएं

शाम 5 बजे प्रसारण

शिक्षा के व्यवसायीकरण से छात्रों को हुआ है नुकसान :डॉ. संजय मिश्रा

लगातार घट रही संख्या

चर्चा की शुरुआत में यश भारत के संचालक आशीष शुक्ला द्वारा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य संजय मिश्रा से सवाल किया गया कि जिले में एमबीबीएस में एडमिशन लेने वाले छात्रों की लगातार संख्या क्यों घट रही है ? इसके जवाब में डॉक्टर संजय मिश्रा ने बताया कि पूर्व के समय में जबलपुर से लगभग 80 से 100 बच्चे मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम में पास होकर डॉक्टर की डिग्री हासिल किया करते थे लेकिन धीरे-धीरे व्यापारिक शिक्षा बढ़ने के चलते अब यह संख्या उंगलियों पर गिनने लायक रह गई है जिसके लिए उन्होंने अभिभावकों की अरुचि और कमर्शियल शिक्षा को जिम्मेदार ठहराया। चर्चा के द्वारान आशीष शुक्ला ने जानकारी दी कि डॉक्टर संजय मिश्रा स्वास्थ्य संचालक की जिम्मेदारी के साथ साथ नीट की तैयारी के लिए बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करते हैं जिनके शिक्षित किए अनेक डॉक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

बच्चों के चयन में माता-पिता का योगदान

प्रतियोगी परीक्षाओं में बच्चों के चयन में उनकी मेहनत और लगन के साथ-साथ माता-पिता का भी बड़ा महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह कहना है जिले के जाने-माने शिक्षक प्रदीप उप्पल का उन्होंने यश भारत प्राइम टाइम विद अशीष शुक्ला में चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान समय में माता-पिता की जागरूकता में कमी आई है वह सिर्फ बच्चों को महंगी कोचिंग में भेज कर अपना दायित्व पूर्ण मान लेते हैं जबकि माता-पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे की दोस्ती किस से हैं वह किस शिक्षक से पढ़ रहा है वह कैसा है । कोर्स पूरा हो रहा है नहीं हो रहा जो टेस्ट हो रहे हैं उसमें उसका परफॉर्मेंस कैसा है। यदि इन सभी बातों पर ध्यान दिया जाए तो बच्चे का चयन निश्चित रूप से होता है।

यशभारत के लोकप्रिय कार्यक्र म प्राइम टाईम विथ आशीष शुक्ला में डॉ. संजय मिश्रा व डा. प्रदीप उप्पल से विशेष चर्चा

शिक्षक का चयन है महत्वपूर्ण

वर्तमान में बढ़ रही कॉमर्शियल क्लास को लेकर डॉक्टर संजय मिश्रा और प्रदीप उप्पल दोनों ने ही इसे शिक्षा से घटते स्तर के लिए जिम्मेदार ठहराया। दोनों का कहना था कि यहाँ शिक्षा के अलावा वह सभी गतिविधियां होती हैं जो बच्चों को वहां आने के लिए आकर्षित करती हैं। जबकि डॉक्टरी हो या इंजीनियरिंग दोनों ही क्षेत्र में अच्छा शिक्षण संस्थान चयन करने के लिए 2 वर्षों के लिए बच्चों को सन्यासी का जीवन जीना चाहिए। जिसमें सभी गतिविधियां छोड़कर सिर्फ पढ़ाई की तरफ ध्यान करना चाहिए। लेकिन कमर्शियल कोचिंग में ना तो शिक्षक उतने योग्य हैं न ही वहां का वातावरण कैसा है जहां पर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखा जा सके।

कोचिंग में एडमिशन सिलेक्शन की गारंटी नहीं

सजग माता पिता बच्चे का बना सकते हैं उज्जवल भविष्य : डा.प्रदीप उप्पल

डा. प्रदीप उप्पल ने चर्चा के दौरान बताया कि कुछ लोगों को लगने लगा है कि एक बार बड़ी कोचिंग में एडमिशन ले लिया जाए उसके बाद चयन तय है। जबकि ऐसा नहीं है पहले जब लोग अच्छे शिक्षकों का चयन करते थे तो ज्यादा से ज्यादा सिलेक्शन होते थे। लेकिन अब बड़े नामों के चक्कर में भीड़ एक जगह जा रही है जिसके चलते चयन का प्रतिशत बहुत नीचे आता जा रहा है । प्रदीप उप्पल द्वारा यश भारत के माध्यम से शिक्षा और छात्रों के उत्थान के लिए आशीष शुक्ला द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं उसकी भी भूरी भूरी सराहना की और कहा कि वे इसी तरह छात्र व शिक्षा के हित में काम करते रहे।

ज्ञान व्यर्थ नहीं जाता

डॉक्टर संजय मिश्रा ने बताया कि नीट में सिलेक्शन के लिए विशेष ज्ञान की आवश्यकता होती है जो बच्चे 11वीं और 12वीं में इमानदारी से पढ़ाई करते हैं उनके चयन का प्रतिशत बढ़ जाता है। वही एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जो हम पढ़ चुके होते हैं उसका रिवीजन भी अनिवार्य रूप से करना चाहिए । क्योंकि जो हम पहले की क्लास में पड़े हैं उसी से संबंधित प्रश्न प्रतियोगी परीक्षाओं में आते हैं कोई भी सवाल सिलेबस के बाहर से नहीं आता। इसलिए रिवीजन पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए इसके अलावा उन्होंने एमबीबीएस ऐडमिशन में बच्चों की लगातार घट रही संख्या पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि एक समय था जब जिले से 100 बच्चे एक बार में डॉक्टर बनते थे लेकिन अब उनकी संख्या उंगली में गिनने लायक हो गई है जो बड़ा ही दुख का विषय है और इस पर विचार होना चाहिए ।

मेडिकल का कलेक्टर ने किया निरीक्षण- प्रभारी डीन को दिए आवश्यक निर्देश

सिस्टम को मजबूत करें, दलालों पर करें कड़ी कार्रवाई

जबलपुर, यशभारत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज चिकित्सायल में आज कलेक्टर डाक्टर इलैयाराजा टी ने औचक निरीक्षण करते हुए कैजुअल्टी के रसोई घर, आर्थो डिपार्टमेंट, बॉयलोजी डिमार्टमेंट का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर मेडिकल की चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने मेडिकल डीन और अधीक्षक सहित पूरे स्टॉफ को निर्देश दिए कि हमें सिस्टम को सुधारना होगा,यहां पहुंचने वाले मरीज को उचित इलाज, सही मार्गदर्शन मिले, इसका विशेष ध्यान रखना होगा।

रीवा मेडिकल कॉलेज का दिया उदाहरण

कलेक्टर डॉक्टल इलैयाराजा टी ने डीन सहित पूरे स्टाफ को रीवा मेडिकल चिकित्सायल की व्यवस्थाओं को लेकर बात की। कलेक्ट ने कहा कि रीवा सरकारी अस्पताल में भी व्यवस्थाओं की कमी थी। लेकिन वहां के स्टाफ ने मेहनत, ईमानदारी के साथ काम करते हुए हर समस्या की जानकारी मेरे संज्ञान में लाई। जिसकी वजह से आज रीवा अस्पताल की व्यवस्थाएं बेहतर है।

सुरक्षा कंपनी के अधिकारियों से कहा- आईकार्ड लगाएं सभी कलेक्टर जब कैजुअल्टी का निरीक्षण कर लौट रहे थे तब उनके पीछे तैनात सुरक्षा कंपनी के एक अधिकारी को उस समय फटकार लगी जब उसके गले पर आई कार्ड नजर नहीं आया। कलेक्टर ने कहा- इतने घंटे होने के बावजूत आपके गले में आईकार्ड नहीं है। ऐसे में कैसे पहचान होगी कि आप मेडिकल के कर्मचारी है।

करोड़ों रुपए जब अपने पास है तो क्यों नहीं हो रहा काम

कलेक्टर ने डीन से कहा कि जब मेडिकल प्रबंधन के पास करोड़ों रुपए है तो उसके बावजूद जीर्णशीर्ण भवनों को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है। कलेक्टर ने पिछले दौरे का जिक्र करते हुए मेडिकल स्टाफ से कहा कि जो कमियां बताई गई थीं, उनको आज तक दूर नहीं किया गया है। यहां तक कि जिन कामों को कराने के लिए टेन्डर जारी करने को कहा गया था वह भी पूरा नहीं हुआ है।

बेकाबू कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

जबलपुर, यशभारत। बरेला के गौर चौकी अंतर्गत एक बेकाबू कार सवार ने सायकिल सवारों को कुचला दिया और मौके से फरार हो गया। जिसके बाद आनन-फानन में दोनों ही घायलों को मेडिकल अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां एक अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं दूसरा जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर, फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी अनुसार अमन चौधरी 22 वर्ष निवासी पिण्डरई ने पुलिस को बताया कि रेन बसेरा में गाड़ी चलाता है । घर से रेन बसेरा काम पर आ रहा था तभी टी.एफ.आर.आई. यूनियन बैंक के पास सामने से साईकिल में उसके बड़े पापा नारायण चौधरी एव गांव के गौतम चौधरी के साथ काम कर वापस आ रहे थे उसी समय कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ2786 के चालक ने लापरवाही से चलाते हुये साईकिल से जा रहे गौतम चौधरी एवं नारायण चौधरी को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों रोड पर गिर गये । घटना के बाद दोनों को उपचार हेतु 108 एम्बुलेंस से दोनों घायलों को उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज लेकर गये जहां गौतम चौधरी को भर्ती कर लिया गया एवं उसके बड़े पापा नारायण चौधरी को मृत घोषित कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)